

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 11 मार्च 2025 वर्ष-8, अंक-22 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com [www.facebook.com/krantisamay1](http://www.facebook.com/krantisamay1) [www.twitter.com/krantisamay1](http://www.twitter.com/krantisamay1)

## पहला कॉलम



### मिथिलांचल में बनाएंगे सीता माता का मंदिर जो देगा नारी शक्ति का संदेश: शाह

**पटना।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुजरात के विकास में योगदान देने के लिए मिथिलांचल और बिहार के लोगों की तारीफ की और कहा कि इस क्षेत्र का प्राचीन काल से ही लोकतंत्र और दर्शन को सशक्त बनाने का इतिहास रहा है। अमित शाह 'शाश्वत मिथिला महोत्सव 2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वादा किया कि यहां सीता माता का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब मैं लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार गया था, तो मैंने कहा था कि राम मंदिर बन गया है, अब सीता माता का भव्य मंदिर बनाने की बारी है। मंदिर पूरी दुनिया को नारी शक्ति का संदेश देगा और यह बताएगा कि जीवन कैसे हर तरह से आदर्श होना चाहिए। शाह ने कहा कि गुजरात में बसे मिथिलांचल और बिहार के लोगों ने इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि मिथिला की भूमि रामायण और महाभारत के समय से ही बुद्धिजीवियों की भूमि रही है, जहां का प्राचीन विवेक साम्राज्य लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध ने कहा था कि जब तक विवेक के लोग मिल-जुलकर रहेंगे, उन्हें कोई नहीं हरा सकता। मिथिलांचल लोकतंत्र की एक मजबूत ताकत साबित हुआ, जो सालों तक पूरे देश को अपना संदेश देता रहा। मिथिलांचल शास्त्रार्थ की भी भूमि रही है।

### चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने पर राष्ट्रपति ने टीम इंडिया को दी बधाई

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने पर टीम इंडिया को बधाई देते हुए कहा कि क्रिकेट का इतिहास रचने पर खिलाड़ी, टीम प्रबंधन और सहायोगी स्टाफ बधाई पा रहे हैं। भारत ने दुबई में खेले गए चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर तीसरी बार चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब जीता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा- भारतीय टीम को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने पर बधाई। भारत तीन बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी गई है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों, प्रबंधन और सहयोगी स्टाफ को क्रिकेट का इतिहास रचने पर बधाई। भारतीय क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

### तेलंगाना विधान परिषद चुनाव के लिए कांग्रेस ने घोषित किए उम्मीदवार

हेदराबाद ।

कांग्रेस ने तेलंगाना विधान परिषद चुनाव के लिए अपने तीन उम्मीदवारों की घोषणा की है, इसमें फिल्म अभिनेत्री विजयाशान्ति के साथ-साथ अदाकी दयाकर और केशव शंकर नाईक को भी उम्मीदवार बनाया है। तेलंगाना में 20 मार्च को विधान परिषद चुनाव होने हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने इस लेकर बयान जारी किया। तेलंगाना विधान परिषद की पांच सीट के लिए चुनाव इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के चार एमएलसी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का एक एमएलसी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। तेलुगु और अन्य भाषाओं की फिल्में में काम करने वाली विजयाशान्ति पहले बीआरएस (तब टीआरएस) की ओर से लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं। उन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन के लिए एक अलग पार्टी बनाई थी, लेकिन बाद में बीआरएस, भाजपा और कांग्रेस के साथ भी काम किया। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि पार्टी ने विजयाशान्ति को इसलिए चुना क्योंकि वह एक महिला और पिछड़े वर्ग को मौका देना चाहती थी। अनुसूचित जाति से ताहक रखने वाले अदाकी दयाकर कांग्रेस के मुखर नेता हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति से आने वाले शंकर नाईक कई वर्षों से कांग्रेस के वफादार कार्यकर्ता हैं।

### रमजान में आयोजित हो रहे फैशन शो से मड़के लोग, सीएम अब्दुल्ला ने मांगी रिपोर्ट

कश्मीर । गुलमर्ग में आयोजित एक फैशन शो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस शो में मॉडल्स को बर्फीले माहौल में सेमी-न्यूड कपड़ों में बांध कर दिखाया गया, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत होने का आरोप लग रहा है। खासतौर पर रमजान के पवित्र महीने में इस तरह के आयोजन को लेकर लोग आक्रोशित हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद विवाद और बढ़ गया। सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता राजा मुजफ्फर भट ने भी इस आयोजन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पर्यटन विभाग और गुलमर्ग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से स्पष्टीकरण देने की मांग की है। बता दें कि यह फैशन शो 7 मार्च को गुलमर्ग में आयोजित हुआ था और इसे एक प्रतिष्ठित डिजाइनर लेबल के तहत आयोजित स्की फेस्टिवल का हिस्सा बताया जा रहा है। विवाद बढ़ने के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए अध्यक्षता से 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने कहा कि स्थानीय संवेदनशीलता की अनदेखी की गई है और इस पवित्र महीने में ऐसा आयोजन करना गलत है। हुरियत नेता मीरवाइज उमर फारूक ने भी इस फैशन शो पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, रमजान के दौरान गुलमर्ग में इस तरह का आयोजन निन्दनीय है। कश्मीर अपनी सूफ़ी-संत संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के लिए जाना जाता है, ऐसे में इस तरह की अश्लीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसमें शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

# होली तक मौसम भी बदलेगा रंग

## पश्चिमी विक्षोभ से हो सकती है बर्फबारी व बारिश

नई दिल्ली ।

होली तक फिर मौसम में बदल सकता है। पहाड़ों में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बादलों की आवाजाही के साथ बारिश की संभावना जताई जा रही है। आईएमडी के मुताबिक 14 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। बर्फबारी से एक बार फिर न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे आ सकता है, जिससे दिन में शीतलहर जैसी स्थिति सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक 12 से 15 मार्च तक पंजाब और हरियाणा के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। 13 से 14 मार्च तक दिल्ली-एनसीआर समेत पड़ोसी राज्यों में बादलों की आवाजाही रहेगी। इस दौरान बूदाबूदा और हल्की बारिश हो सकती है। कनोबेश यही स्थिति यूपी, बिहार और राजस्थान के आसपास भी बनी रह सकती है। एक अनुमान के मुताबिक उत्तर पूर्व राज्यों में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र सक्रिय होने से अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, अंडमान निकोबार द्वीप समूह,

केरल और असम में हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों के साथ-साथ सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में हवा तेज हो सकती है। मौसम विभाग ने दिल्ली में दिन में आसमान साफ रहने और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान लगाया है। हालांकि, इस सप्ताह पहाड़ों में फिर से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम बदलने की संभावना है। 14 मार्च को बादल छाए रहने के साथ हल्की

बारिश हो भी सकती है। आईएमडी के मुताबिक यूपी में 13 मार्च को 12 जिलों में बारिश की संभावना है। हल्की से मध्यम हवाएं चलने से ठंड का अहसास बना रहेगा। हालांकि, अब हवाओं की गति कम होने से दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी। बिहार में कभी गर्मी, कभी ठंड तो कभी बारिश का मौसम बना हुआ है। आईएमडी ने राज्य में बादल छाते, तेज हवाएं चलने और बिजली चमकने व गरज के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है। बादलों के कारण तापमान में बढ़ोतरी होगी।

राजस्थान के कई इलाकों में तापमान बढ़ने लगा है, जहां पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा तापमान सीमावर्ती बाड़मेर में 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक इस सप्ताह राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान राज्य में अधिकतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहेगा। उत्तराखंड में अगले 24 घंटे में बर्फबारी हो सकती है। उत्तराखंड में 12 मार्च को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में बारिश

की संभावना है। 13 मार्च को यूएस नगर और हरिद्वार को छोड़कर शेष सभी जिलों में बारिश का अनुमान है। वहीं हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कई हिस्सों में लगातार पांच दिन तक बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया गया है। आईएमडी के मुताबिक लाहौल स्पीति, चंबा, कांगड़ा, किन्नौर और कुह्लू जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में अलग-अलग जगहों पर हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट से फिर ठंड का एहसास होगा।

# राहुल गांधी ने लोकसभा में वोटर लिस्ट का मुद्दा उठाया

सभी चाहते हैं तब अच्छा यही होगा कि संसद में इस विषय पर चर्चा हो



नई दिल्ली ।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में मतदाता सूची का मुद्दा उठाया और कहा कि कई राज्यों में वोटर लिस्ट पर सवाल उठे हैं, इसलिए संसद में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की टिप्पणी पर हॉ में हॉ मिलाते हुए

कहा, सरकार वोटर लिस्ट नहीं बनाती, यह तो सबको पता है, लेकिन सवाल उठ रहे हैं तो ऐसे में अच्छा यही होगा कि संसद में इस विषय पर चर्चा हो। गौरतलब है कि इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपनी एक टिप्पणी में सवाल करते हुए कहा था कि क्या वोटर लिस्ट सरकार बनाती है? इसी बात पर राहुल गांधी ने कहा, कि आपने सही कहा कि वोटर लिस्ट क्या सरकार बनाती है? आपने सही बोला कि सरकार वोटर लिस्ट नहीं बनाती है। लेकिन पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष शासित प्रत्येक

राज्य में और खासकर महाराष्ट्र में साफ-साफ सवाल उठाए जा रहे हैं। पूरा विपक्ष मिलकर सिर्फ यही कह रहा कि वोटर लिस्ट पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। आप तो बनाते नहीं, ये हम मानते हैं, लेकिन वोटर लिस्ट पर चर्चा तो हो जाए। इस प्रकार लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और कहा कि पूरा विपक्ष इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहा है। इसके साथ ही सदन में हंगामा जारी रहा। इस पर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि वे सदन के अध्यक्ष को धमका रहे हैं।

संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि स्पीकर ने सभी सदस्यों को बराबर का समय दिया है और कभी भी किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया। स्पीकर ने स्पष्ट किया कि जो भी सदस्य सदन की मर्यादा का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर ने बताया कि उन्हें स्थगन प्रस्ताव के कई नोटिस मिले हैं, लेकिन किसी भी नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली जीत पर टीम इंडिया को बधाई दी।

## डीएमके सांसद पर भड़क उठे लोकसभा अध्यक्ष बिरला, आपको सदन से बाहर करता हूँ

स्पीकर ने रिजिजू से कहा कि इस मुद्दे पर प्रस्ताव लाइए



नई दिल्ली ।

संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुवात हो चुकी है। सोमवार को लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला विपक्ष के एक सांसद पर भड़क उठे। उन्होंने सांसद को चेतावनी दी कि सदन मर्यादा से चलेगा। विपक्ष के साथ लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने केंद्र सरकार को भी सुनाया। लोकसभा स्पीकर ने संसदीय

कार्यमंत्री से कहा सदन में प्रस्ताव लेकर आइए। दरअसल लोकसभा में कार्यवाही के दौरान विपक्ष के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। तभी स्पीकर बिरला ने कहा कि ये व्यवहार ठीक नहीं है। सभी को बोलने का मौका दे रहा हूँ। आप लोग अपनी सीट पर बैठिए। तभी डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने कहा कि वॉकआउट करूंगा। उन्होंने स्पीकर वन साइड-वनसाइड के नारे लगाए। इस पर स्पीकर बिरला भड़क उठे। उन्होंने कहा कि ये रिकॉर्ड में नहीं है। अगर रिकॉर्ड में होता तब मैं आपके खिलाफ कार्रवाई करके सदन से बाहर कर देता। आप अपनी सीट पर जाकर रिकॉर्ड में यही बात बोलिए अभी कार्रवाई करके आपको सदन से बाहर करता हूँ। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू सीट पर खड़े हुए। स्पीकर ने रिजिजू से कहा कि इस मुद्दे पर प्रस्ताव लाइए। संसद की मर्यादा से सदन चलेगा। अगर कोई सदन की मर्यादा का उल्लंघन करता है, तब उस पर कार्रवाई होगी ही होगी... अगर सरकार प्रस्ताव नहीं लाना चाहती तब मुझे कार्रवाई करनी होगी।

## विमान ने न्यूयॉर्क के लिए भरी उड़ान, बम होने की मिली सूचना, वापस मुंबई कराया लैंड

आज फिर होगा रवाना, विमान में चालक दल के 19 सदस्यों सहित 322 लोग थे सवार

नई दिल्ली ।

एअर इंडिया के विमान ने मुंबई से न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरी, लेकिन विमान को उड़ाने की धमकी के बाद आनन-फानन में वापस मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। यह घटना सोमवार सुबह 10.30 की बताई जा रही है। एअर इंडिया के विमान ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन बीच रास्ते में विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद विमान को वापस मुंबई एयरपोर्ट पर उतारा। सूत्रों का कहना है कि विमान के शौचालय में एक नोट मिला, जिसमें कहा गया था कि विमान में बम रखा है। इस घटना के बाद एअर इंडिया ने बयान जारी कर पृष्ठ की कि इस संबंध में सभी जरूरी प्रोटोकॉल का पालन किया गया है। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि आज 10 मार्च को मुंबई-न्यूयॉर्क का संचालन करने वाली एआई119 की फ्लाइट के दौरान संभावित खतरे का पता चला। जरूरी प्रोटोकॉल का



पालन करने के बाद विमान में सवार सभी यात्री की सुरक्षा के हित में विमान को वापस मुंबई लैंड कराया गया। हमेशा की तरह एअर इंडिया यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। एयरलाइन ने कहा कि विमान की अब 11 मार्च सुबह 5 बजे के लिए रिशेड्यूल किया गया है। सभी यात्रियों के लिए तब तक के लिए खाने और उड़ाने की सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। बता दें कि इस विमान में चालक दल के 19 सदस्यों सहित 322 लोग सवार थे।

# 130 की रफ्तार से आई तबाही:

बिजली के खंभे टूटे, घरों को नुकसान पहुंचा, अब चौतरफा अंधेरा

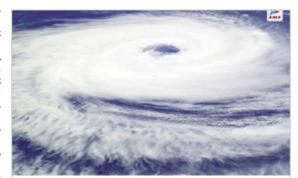
ब्रिस्बेन ।

ऑस्ट्रेलिया में आए अल्फ्रेड तूफान ने कई शहरों को भारी नुकसान पहुंचाया है। यहां 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी ने बिजली के खंडे उखाड़ दिए। कई घरों को क्षति पहुंचाई और सड़कें अंधेरा छाया हुआ है। न बिजली है और न ही पानी की आपूर्ति हो पा रही है। एक्स-ट्रॉपिकल साइकलोन में ब्रिस्बेन और गोल्ड कोस्ट के आसमान में तो मानो काले बादलों ने जैसे कयामत का ऐलान कर दिया था। यहां बिजली की लाइनें टूटीं, पेड़

खड़ गए, और घरों में पानी घुस गया। ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो के अनुसार, अल्फ्रेड कैटेगरी 2 का तूफान है, जिसके केंद्र के पास 95 किलोमीटर प्रति घंटे की निरंतर हवाएं और 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हवाएं चल रही हैं। इसने 'क्रीसलैंड' में डबल आइलैंड पॉइंट से लेकर न्यू साउथ वेल्स में ग्राफ्टन तक, ब्रिस्बेन, गोल्ड कोस्ट, सनशाइन कोस्ट, बायरन बे और बेलिना को प्रभावित किया। वहीं ऑस्ट्रेलिया आमतौर पर ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी इलाकों में ही चक्रवात आते हैं। पिछली बार यहां गोल्ड कोस्ट क्षेत्र में

चक्रवात 1974 में आया था। ऑस्ट्रेलिया का दक्षिणी भाग ज्यादा घनी आबादी वाला है, जिसमें ब्रिस्बेन देश का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है। ऐसे में इस तूफान ने 20,300 लोगों को प्रभावित किया। यहां रविवार रात जब लोग सोने की तैयारी कर रहे थे, तब आसमान से बरसता पानी और तेज हवाएं खतरे का इशारा कर रही थीं। देखते ही देखते क्रीसलैंड के कई हिस्से जलमग्न हो गए। गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन के सैकड़ों इलाकों में बिजली गुल हो गई। घरों की छिड़कियां टूटने लगीं, और लोग बेवस होकर अपने परिवार के साथ सुरक्षित जगह तलाशने लगे।

सिर्फ एक रात में बाढ़ का कहर ऐसा टूटा कि 1800 लोग पूरी तरह से पानी में घिर गए। सड़कें नदियों में बदल गईं, और कई गाड़ियां बाढ़ में बह गईं। अधिकारियों ने तुरंत 20,300 लोगों को अपने घर छोड़ने का आदेश दिया। वहीं शनिवार को बाढ़ के पानी से 61 वर्षीय एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया, जबकि एक अन्य घटना में बचाव कार्य के लिए जा रहे सैनिकों का काफिला दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद 12 सैनिकों को अस्पताल ले जाया गया। न्यू साउथ वेल्स में हालात और भी भयानक थे। शुक्रवार को डोंगोरो के पास एक 61 वर्षीय व्यक्ति की कार बाढ़ के



पानी में बह गई, और उसकी मौत हो गई। लिस्मोर में एक सैन्य ट्रक पलटने से 13 सैनिक घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अभी यह तबाही खत्म नहीं हुई।





## रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भारत के 'साइलेंट हीरो' का खुलासा किया, बोले- उन्हें नहीं भूलना चाहिए

**दुबई (एजेंसी)।** अपने समृद्ध क्रिकेट इतिहास में सफलता का एक और अध्याय जोड़ने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने साइलेंट हीरो-श्रेयस अय्यर का विशेष उल्लेख किया, जो स्टार-स्टेड मिडिल ऑर्डर में स्थिरता का स्रोत रहे हैं। रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट से जीत दर्ज की।

पूरे टूर्नामेंट के दौरान, भारत का मिडिल ऑर्डर साइलेंट गार्ड की तरह रहा है, जो शीर्ष क्रम के ढहने के बाद टीम को प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाता है या मैच बचाने वाली साझेदारियां बनाने के लिए उनके साथ जुड़ता है। रोहित ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे इस टीम पर बहुत गर्व है। हमें पता था कि परिस्थितियां कठिन

होंगी, लेकिन हमने खुद को अच्छी तरह से ढाल लिया। अगर आप सभी खेलों को देखें, तो पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ था। मुझे पता है कि यह केवल 230 रन थे, लेकिन हम जानते थे कि विकेट थोड़ा धीमा था। हमें साझेदारी की जरूरत थी और बल्लेबाजों ने बड़ी साझेदारी की।'

बल्लेबाजी में गहराई ने भारत को फायदा पहुंचाया है, श्रेयस अपने शांत व्यवहार और आक्रामक इरादे से बाकी खिलाड़ियों से अलग दिखने में कामयाब रहे हैं। भले ही उनके पास शेड्यूल बंधारने के लिए बड़े शतक नहीं थे, लेकिन उनकी निरंतरता ने उन्हें टूर्नामेंट के अंत में भारत के शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी बना दिया। श्रेयस ने रचिन खर्वींद्र के बाद पांच मैचों में 48.60 की औसत से 243 रन बनाए।

रोहित ने श्रेयस के विभिन्न खेलों में महत्वपूर्ण साझेदारियों के विभिन्न उदाहरणों का हवाला देते हुए भारत के रिकॉर्ड बुक को फिर से लिखने की यात्रा में 30 वर्षीय खिलाड़ी के महत्व को उजागर किया। रोहित ने कहा, 'शांत नायक श्रेयस अय्यर को नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। वह हमारे लिए उस मध्य चरण में बहुत महत्वपूर्ण थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उनके साथ बल्लेबाजी करने वाले सभी बल्लेबाजों के साथ साझेदारी की और उस समय विराट बहुत महत्वपूर्ण थे। यहां तक ??कि पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी, जो लीग गेम हमने खेला था।'



## अगर आप मैदान नहीं छोड़ते, तो आपके पास मौका होता है : हार्दिक पांड्या



**दुबई (एजेंसी)।** हार्दिक पांड्या को जिसप्रति बुमराह की अनुपस्थिति में चैंपियंस ट्रॉफी में नई गेंद से गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालनी पड़ी और इस ऑलराउंडर ने कहा कि उनकी संतुष्टि करने की स्वाभाविक क्षमताओं ने उन्हें नई भूमिका में उल्लेख में मदद की। हालांकि टूर्नामेंट में पांड्या पर अधिक भार नहीं रहा क्योंकि भारत ने मुख्य रूप से चार स्पिनरों के साथ गेंदबाजी की। पांड्या ने पांच मैचों में सिर्फ 24.3 ओवर गेंदबाजी की और चार विकेट लिए।

पांड्या ने भारत को खिताबी जीत के बाद मिम्सड जोन में कहा, 'गेंदबाजी अपना काम खुद करती है। यह साल सीखने और चुनौतियों से भरा रहा। मेरी मानसिकता ने मुझे सभी चुनौतियों से भ्राना नहीं सिखाया। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर चुनौतियां कठिन हैं तो इसका डटकर सामना करो। अगर आप मैदान नहीं छोड़ते हैं, तो आपके पास मौका

होता है।'

पांड्या ने कहा कि वह बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा खुद पर भरोसा रहा है कि मैं यह कर सकता हूँ। और साथ ही परदे के पीछे की गई कड़ी मेहनत रंग लाती है। मेरा हमेशा मानना है कि आप जिस तरह से तैयारी करते हैं, आप उसे खेल में भी दिखा पाएंगे।'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जीतने पांड्या को 2017 के टूर्नामेंट में पाकिस्तान से भारत की हार की कड़वी यादों को मिटाने में भी मदद की जिसका वह भी हिस्सा थे। पांड्या ने कहा, 'मैं कह सकता हूँ कि आज एक अश्रु सपना पूरा हो गया। लेकिन आठ साल बहुत लंबा समय होता है। आठ साल में जीवन में बहुत कुछ हुआ। लेकिन साथ ही जीतना, और वह भी भारत के लिए, मेरे लिए यह बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है।'

## रविंद्र जडेजा ने रिटायरमेंट को लेकर डाली पोस्ट, सोशल मीडिया पर हो गई वायरल

**दुबई (एजेंसी)।** भारत के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल के बाद रिटायरमेंट की अफवाहों पर लगाम लगा दी है। अब ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने अपने फेस को भविष्य के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने अपनी रिटायरमेंट को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला जिसके बाद स्थिति साफ हो गई है।

जडेजा ने इंस्टाग्राम पर चार-शब्दों वाली पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'कोई अनावश्यक अफवाह नहीं, धन्यवाद।' गौर हो कि जडेजा ने टी20 विश्व कप फाइनल के बाद रोहित और कोहली की घोषणा के एक दिन बाद

अपने टी20आई रिटायरमेंट ले ली थी। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड से मिले 252 रन के लक्ष्य को एक ओवर पहले हासिल करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। जडेजा को 'फील्डर ऑफ द मैच' चुना गया और भारत के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने जडेजा को फील्डिंग मॉडल दिया।

गौर हो कि जडेजा ने साल 2009 में अपना वनडे डेब्यू किया था और तब से अब तक इस प्रारूप में 204 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 231 विकेट और 32.62 की औसत तथा 13 अर्धशतक सहित 2806 रन बनाए हैं।



## चैंपियंस ट्रॉफी : अवार्ड समारोह में पीसीबी अधिकारी को नहीं बुलाये जाने पर विवाद उठा

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत के बाद हुए अवार्ड समारोह में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारी को नहीं बुलाया। जिससे विवाद उत्पन्न हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टूर्नामेंट के निदेशक और पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमेर अहमद उस समय मैदान में उपस्थित थे पर उन्हें समारोह में नहीं बुलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी व्यस्त होने के कारण दुबई नहीं जा सके थे। ऐसे में उन्होंने अपने प्रतिनिधि के तौर पर पीसीबी के सीईओ को फाइनल और



अवार्ड समारोह के लिए दुबई भेजा था। वहीं मंच संचालन करने वाली समिति की ओर से कहा गया है कि किसी कारण से या गलतफहमी की वजह से उन्हें मंच पर नहीं बुलाया गया। विजेता भारतीय टीम को आईसीसी

अध्यक्ष जय शाह, बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव देवजीत सैकिया ने पदक, ट्रॉफी और जैकेट दिये। अब मेजबान पाकिस्तान का कोई प्रतिनिधि स्ट्रेज पर नहीं था। पीसीबी यह मसला आईसीसी के समक्ष उठा सकता है। वहीं पाक के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी सोशल मीडिया पर कहा, 'भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती पर पीसीबी का कोई प्रतिनिधि फाइनल के बाद नहीं था। पीसीबी मेजबान था पर इसके बाद भी उसे मंच पर जाह नहीं मिल पाया है। इससे साथ ही वे भी समािल उठता है कि पीसीबी की ओर से क्यों कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं आया।'

## ओलंपिक खेलों की मेजबानी का भारत का दावा मजबूत : सेबेस्टियन



**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सेबेस्टियन को ने कहा है साल 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है हालांकि कई देशों के होने से मेजबानी की प्रतियोगिता कठिन होगी भारतीय ओलंपिक संघ ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है। सेबेस्टियन ने कहा, 'मुझे खुश है कि भारत ओलंपिक खेलों का आयोजन करना चाहता है।' उन्होंने कहा, 'मेजबानी हासिल करना हालांकि आसान नहीं होगा क्योंकि कई अंतर्देश भी मेजबानी की दौड़ में शामिल हैं। बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।' भारत के अलावा पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कमेनिस्तान, मैक्सिको और मिस्र ने भी साल 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा जतायी है। 12036 खेलों के मेजबान देश का फेरमला अगले साल ही आयेगा। नए आईओसी प्रमुख के चुनाव 20 मार्च को होगा। इसी के बाद मेजबान का चयन होगा। सेबेस्टियन ने कहा कि अगर भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो भी उसे निराश नहीं होना चाहिये और आगे के लिए प्रयास जारी रखने चाहिये।

## इस भारतीय ने मैच हमारी पहुंच से दूर किया, चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हारकर बोले सेंटनर

**दुबई (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने स्वीकार किया कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की असाधारण पारी ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में दोनों टीमों के बीच अंतर पैदा किया और चार विकेट की हार को उन्होंने 'कड़वा-मीठा अंत' करार दिया। रोहित ने 83 गेंदों में 76 रन की शानदार पारी खेली जिससे भारत ने रविवार को भारत 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए करीबी जीत दर्ज की।

सेंटनर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित शर्मा ने जिस तरह से खेला उससे मैच हमारी पहुंच से दूर हो गया। भारत ने दुबई की परिस्थितियों को अच्छी तरह समझा और अच्छा क्रिकेट खेला। मुझे लगता है कि यह कड़वा-मीठा अंत रहा।' सेंटनर ने कहा कि खिताबी मुकाबले में हार के बावजूद उन्हें अपनी टीम पर 'गर्व' है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि फाइनल में हमने सामना एक अच्छी टीम से हुआ। हमने इस पूरे मैच में कई बार चुनौती दी, जो सुखद था और



मुझे लगता है कि शायद कुछ ऐसे छोट-मोटे पल भी रहे, जब हमने इसे अपने से दूर जाने दिया।'

सेंटनर ने कहा, 'लेकिन हां, इस पूरे टूर्नामेंट में जिस तरह से हमने इस टीम के साथ खेला है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।' सेंटनर ने कहा कि उनकी टीम दुबई की पिच और परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार थी जो

लाहौर से काफी अलग जगह जहां उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में हराया था। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम भारत के खिलाफ लगातार खेल रहे हैं जो हमेशा एक चुनौती होती है। हमें पता था कि परिस्थितियां सेमीफाइनल से थोड़ी अलग होंगी लेकिन हम इसके लिए तैयार थे।'

सेंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने

फिर भी अच्छा प्रदर्शन किया और भारत को अंत तक टकरा दी। लेकिन हर मैच में कुछ ऐसे पल होते हैं जहां आप संभावित रूप से सुधार कर सकते हैं।' न्यूजीलैंड के कप्तान ने माना कि मैट हेनरी की कमी उन्हें खली जो कंधे की चोट के कारण खिताबी मुकाबले से बाहर हो गए थे। तेज गेंदबाज हेनरी 10 विकेट लेकर इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। सेंटनर ने कहा, 'वह एक बेहतरीन गेंदबाज है। हमने देखा है कि वह उन विकेटों पर भी मूवमेंट हासिल करने में सक्षम है जो ऐसे नहीं लगती कि उनसे मदद मिलेगी। इसलिए मुझे लगता है कि आज हमें इसकी कमी खली।'

उन्होंने कहा, 'मुझे मैटो (हेनरी) के लिए दुख है - वह टीम के लिए खेलने वाला बेहतरीन खिलाड़ी है और वह काफी परेशान दिख रहा था। हमने बस यही कहा, चलो उसके लिए बह कर रहे हैं। उसने इस मैच के लिए तैयार होने के लिए हर संभव कोशिश की और दुर्भाग्य से वह हमारे लिए तैयार नहीं था।'

## विराट के बयान से उनके संन्यास लेने की अटकलें, प्रशंसक हुए निराश

**दुबई (एजेंसी)।** आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीतने के बाद अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने एक ऐसा बत कही जिससे उनके प्रशंसकों को संन्यास लेने का अर्थसा हुआ। विराट ने कहा कि कहां कि टीम चाहते थे कि जब हम टीम छोड़कर जाएं तो टीम बेहतर स्थिति में हो। मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसी टीम है जो अगले आठ साल तक दुनिया की किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार है। बहरहाल विराट के संन्यास लेने

की आशंका से प्रशंसक निराश हैं। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी। विराट फाइनल में रन नहीं बना पाए पर पूरे टूर्नामेंट में उनकी अहम भूमिका रही। पाकिस्तान के खिलाफ उनके शतक से ही भारतीय टीम जीती है। जैसे ही विराट ने अपने संन्यास की बात की, उनके प्रशंसक भावुक हो गए। चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के बाद कोहली बेहद उत्साहित दिखे। हालांकि, मैच के बाद उन्होंने क्रिकेट छोड़ने की बात कही, जिससे प्रशंसक थोड़े समय के लिए

भावुक हो गए। विराट ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद कहा कि यह सफर अद्भुत रहा। उन्होंने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौर के बाद अच्छी वापसी करना चाहते थे और इस खिताबी जीत से बेहतर कुछ और नहीं हो सकता था। अब उन्हें युवा खिलाड़ियों के साथ खेलने का बहुत अच्छा अनुभव हुआ है। विराट ने ये भी कहा कि टीम के युवा खिलाड़ी टीम को सही दिशा में लेकर जा रहे हैं और यह उनकी प्रगति को देखकर वह काफी खुश हैं। विराट ने आगे कहा कि इतने सालों तक

क्रिकेट खेलने के बाद आप अनुभवी खिलाड़ी से दबाव वाली स्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी टूर्नामेंट में खिताब जीतने के लिए टीम के सभी खिलाड़ियों को अलग-अलग मैचों में अपनी भूमिका ठीक से निभानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सभी के प्रयासों से ही टीम खिताब जीतने में सफल रही है। साथ ही कहा कई खिलाड़ियों ने अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी जिसका लाभ टीम को मिला।

## इसके लिए काफी तैयारी की जरूरत थी : नई भूमिका में सफलता के बाद बोले केएल राहुल

**दुबई (एजेंसी)।** लोकेश राहुल सफलतापूर्वक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद खुश हैं और उन्होंने इसे अपनी अथक 'तैयारी' और अपने खेल में लगातार सुधार का नतीजा बताया। आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले राहुल को चैंपियंस ट्रॉफी में एक स्थान नीचे खिसका दिया गया और उन्होंने यहां चार पारियों में 140 रन बनाए।

रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत के बाद राहुल ने कहा, 'यह मेरे लिए वाकई सुखद है। मैं अलग-अलग भूमिकाओं में जो काम कर रहा हूँ उसके लिए काफी तैयारी की जरूरत होती है। क्रिकेट के मैदान से बाहर काम, यह सोचना कि मुझे प्रत्येक मैच को कैसे लेना है और विभिन्न परिस्थितियों में कैसे प्रदर्शन करना है, पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले कुछ खिलाड़ियों को देखना और देखना कि वे



कैसे सफल रहे हैं।'

राहुल ने कहा कि वह टीम के लिए यह नई जिम्मेदारी लेकर खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे मेरे क्रोच ने बहुत कम उम्र से सिखाया है कि क्रिकेट

एक टीम खेल है और टीम को आपसे जो भी चाहिए आपको उसे स्वीकार करने और टीम के लिए प्रदर्शन करने का तरीका खोजने की जरूरत है। आपको यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि

आपकी भूमिका क्या है, जिम्मेदारी क्या है, यह समझें कि विभिन्न क्रम पर सफल बल्लेबाजी करने के लिए क्या करना पड़ता है।'

राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में स्थिति के अनुकूल खुद को ढाल लिया और छेटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। बैंगलुरु के इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 42 रन बनाए जबकि उनकी नाबाद 32 रन की पारी को बदलत भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ कड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया। कुल मिलाकर राहुल ने सिर्फ 140 रन बनाए लेकिन उन्होंने 98 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जो दर्शाता है कि उन रनों का मैच पर कितना प्रभाव पड़ा।

कप्तान रोहित शर्मा ने भी यही संकेत दिया। रोहित ने कहा, 'उसके धैर्य रखने से दबाव उस पर नहीं पड़ता, हम मैदान पर उसी तरह का धैर्य चाहते

थे। मैं टूर्नामेंट में उसके प्रदर्शन से बेहद खुश हूँ। सेमीफाइनल और इस मैच में भी दबाव की स्थिति में बल्लेबाजी की। योगदान भले ही 70-80 रन का नहीं हो लेकिन वे 30-40 रन बहुत महत्वपूर्ण थे।'

राहुल चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इस समय बहुत खुश हूँ, आईसीसी टूर्नामेंट जीतना आसान नहीं है। यह मेरा पहला खिताब (आईसीसी) है इसलिए मैं बहुत खुश हूँ और जिस तरह से हमने इस पूरे टूर्नामेंट में खेला है, उससे मैं बहुत खुश हूँ और यह पूरी तरह से टीम का प्रयास रहा है।' राहुल ने स्टैंड के पीछे भी शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण स्ट्रॉफिंग और केच लपकें। यह 32 वर्षीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से खुश है क्योंकि पिछले नौ सालों में विकेटकीपिंग करना आसान काम नहीं था।

## प्लान नहीं था, पंजाबी गाना चल रहा था, मेरा डांस निकल गया : श्रेयस अय्यर



**दुबई (एजेंसी)।** श्रेयस अय्यर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की जीत का जश्न यादगार डांस परफॉर्मेंस के साथ मनाया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत द्वारा न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराते के बाद अय्यर के डांस मूव्स मैच के बाद के जश्न का मुख्य आकर्षण बन गए। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जीतने के बाद विराट कोहली के प्रतिष्ठित गंगनम स्टाइल सैलेशन को याद दिला दी। हालांकि अय्यर ने क्लासिक मूव्स के साथ थोड़ा फुटवर्क को मिलाकर अलग डांस प्रेश किया जिस पर उनके टीम के साथी और प्रशंसक खुश नजर आए। चैंपियंस बोर्ड के सामने किया गया यह जश्न वायरल हो गया। अय्यर ने भारत को मैच जितवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, फाइनल जीतने के बाद उनकी उपस्थिति और भी रोचक हो गई।

अय्यर ने टूर्नामेंट के दौरान कुल 5 मैचों में 167 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 41.75 रहा। उनका सर्वोच्च स्कोर 67 रन था, जो उन्होंने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। इस पारी ने भारत को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में मदद की और फाइनल में जगह पकड़ने में अहम भूमिका निभाई। फाइनल में श्रेयस अय्यर ने 31 रन की उपयोगी पारी खेली, जिसने भारत को लक्ष्य का पीछा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी यह पारी दबाव में खेलने की उनकी क्षमता को दर्शाती है।

मैच की बात करे तो दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए डेरिल मिशेल और माइकल बेसवेल के अर्धशतक को बदलत 7 विकेट के नुकसान पर भारत को 252 रन का लक्ष्य दिया। भारत की तरफ से कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने सबसे ज्यादा 2-2 विकेट अपने नाम किए। फाइनल में टीम इंडिया ने शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने अच्छे शुरुआत की। रोहित पहली 11 ओवर के अंदर ही अर्धशतक बनाने में सफल रहे।

बीच में भारत की रन गति कम हो गई जब विराट 1 तो शुभमन 31 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद श्रेयस (48) ने टीम को संभाला। केएल राहुल और हार्दिक पांड्या ने उभयक पारियां खेलकर टीम इंडिया को खिताब दिलाया।

## हार के बाद भी उपविजेता न्यूजीलैंड हुई मालामाल, 11 करोड़ की इनामी राशि मिली

**दुबई।** आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद जहां भारतीय टीम को साढ़े 21 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम को करीब साढ़े 11 करोड़ रुपये इनामी के तौर पर मिले हैं। 3-4 सप्ताह प्रकाश देखा जाये तो हार के बाद भी कीर्ती टीम को मोटी रकम मिली है। भारतीय टीम ने दुबई में खेले गये फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। चैंपियंस ट्रॉफी की इनामी राशि को लेकर आईसीसी ने पहले ही घोषणा कर दी थी। साल 2017 के मुकाबले इस बार इनामी राशि में 53 फीसदी की बढ़ोतरी की गयी है। इसी कारण उपविजेता टीम भी मालामाल हुई है। उपविजेता टीम के लिए आईसीसी ने 10 करोड़ रुपये का इनामी रखा था, जो न्यूजीलैंड को मिला। इसके अलावा न्यूजीलैंड को पार्टिसिपेशन प्राइज और लीग फेज के मैच जीतने के लिए इनामी मिला। इस तरह कीर्ती टीम का कुल इनामी करीब 11 करोड़ 44 लाख रुपये बैठता है।

## जूनियर विश्व कप हॉकी में अच्छा प्रदर्शन करना है लक्ष्य : साक्षी राणा



**नई दिल्ली।** भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा का लक्ष्य जूनियर विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम की ओर से सफल पदार्पण से भी साक्षी के हौसले बुलंद हैं। जूनियर विश्वकप इस साल के अंत में चिली में होगा। साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में ही गोल किया था जबकि भारतीय टीम ने मुकाबला 3-4 से हार गयी थी। साक्षी ने कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी इसलिए टीम में जगह पाकर उत्साहित हूँ। मैं मैच से पहले दबाव में नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन कर कहा था कि निडर होकर खेलना। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैंने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैंने शॉट लगाया और गोल हो गया। साक्षी ने कहा, 'मैंने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे पता चला कि रफतार कितनी जरूरी है। मुझे फॉरवर्ड पंक्ति में होने के कारण मैदान पर अपनी रफतार अधिक से अधिक बढ़ानी होगी। इसलिए अब मैं इसी पर काम कर रही हूँ। साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में भी शामिल थी। उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान जूनियर विश्व कप पर है और मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रही हूँ जिससे देश के पदक जीतने में अपनी ओर से योगदान दे सकूँ।

## रिमथ को दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने की उम्मीद



**जोहानिसबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम रिमथ ने कहा है कि उनकी टीम अपनी मेजबानी में साल 2027 में होने वाले विश्वकप से पहले ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जीत सकती है। इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'अगले तीन साल में हम स्टेडियमों, पिचों और अपने क्रिकेट ढांचे को बेहतर करने के प्रयास जारी रखेंगे जिससे 2027 एकदिवसीय विश्व कप को जीता जा सके। दक्षिण अफ्रीका का सामना डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से होगा। ये पहली बार है जब दक्षिण अफ्रीकी टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है। रिमथ ने उन बातों को आधारहीन बताया है जिसमें कहा गया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल का दक्षिण अफ्रीका का सफर आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'आजकल क्रिकेट में कोई सफर आसान नहीं होता। शुरु ही से सभी टीमों को पता था कि किस किससे खेला है। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीतकर क्लॉलीफाई किया है। सभी को टेस्ट इकोसिस्टम देखा चाहिए कि वह कैसे काम करता है। वहीं लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को लेकर रिमथ ने कहा कि टी20 क्रिकेट का बढ़ना तब ही पर सभी सदस्य देशों को मिलकर ऐसा मॉडल बनाना होगा कि बाकी प्रारूप भी सुरक्षित रहे। साथ ही कहा कि, 'मैं चाहता हूँ कि टेस्ट क्रिकेट मजबूत रहे और अगर छह सात देशों में भी रह गया तो काफी प्रतिस्पर्धी होगा और मजबूत भी बना रहेगा।' दुनिया भर में शुरू हो रही फैंचाइटी आभारित टी20 लीग के बीच टेस्ट क्रिकेट के अस्तित्व को बचाये रखने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट ने अमेरिका और दूसरे क्षेत्रों में नये दर्शक दिए हैं और अब हम आने वाले समय में इसे ओलंपिक में भी देखेंगे।



# एक ही प्रोफेशन में है लाइफ पार्टनर तो आपके काम आएंगे ये टिप्स

आजकल के इस एडवांस समय में लोगों को सोशल मीडिया पर भी एक दूसरे से प्यार हो जाता है। वहीं कुछ लोग साथ काम करते-करते एक-दूसरे को दिल दे बैठते हैं। इस माई न टाइम में कई लोग ऐसे हैं जो कॉलीग भी हैं और कपल भी। ऐसी लाइफ के फायदे होने के साथ-साथ कई नुकसान भी हैं। कई बार प्रोफेशनल और प्रसन्न लाइफ मिक्स होने के कारण रिश्ते में दूरियां आने लगती हैं। कई बार ऑफिस का प्रेशर और काम की झिंझक प्रसन्न लाइफ पर हावी हो जाती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह प्रोफेशनल लाइफ अलग रख कर आप अपनी प्रसन्न लाइफ को एन्जॉय कर सकते हैं।

## ऑफिस का काम

सबसे पहले तो आप इस बात का ध्यान रखें कि ऑफिस के काम को घर पर न लाएं। ऐसा करने से आपकी लव लाइफ खरीब हो सकती है। चाहे कितना भी जरूरी काम क्यों न हो इसे ऑफिस तक ही रखें।

## रोमांटिक डेट प्लान

अक्सर साथ-साथ काम करते-करते पार्टनर एक-दूसरे को डेट करना छोड़ देते हैं लेकिन ऐसा करने से आप अपना रिश्ता खुद तोड़ रहे हैं। साथ काम करने के बावजूद भी डेटिंग न छोड़ें। इससे एक-दूसरे पर प्यार और विश्वास बना रहता है।

## सलाह देना

ऑफिस में एक-दूसरे होने पर भी पार्टनर की सक्सेस को एन्जॉय करें। एक-दूसरे को मिली छोटी-से छोटी उपलब्धि का जश्न मनाएं। ऐसे में आपके बीच का प्यार और भी बढ़ता है।

## वीकेंड को एन्जॉय करना

ऑफिस से मिली छुट्टी को वेस्ट करने की बजाए साथ में समय बितायें। कहीं घूमने चले जाएं या घर पर ही एक-दूसरे से बातें करें। इससे आप अपने मन की बात बता और पार्टनर के मन की बात जान सकते हैं।

## साथ में खाना

घर हो या ऑफिस हमेशा पार्टनर के साथ ही खाना खाएं। साथ बैठ कर खाना खाने से आपका रिश्ते और भी ज्यादा गहरा होगा और इससे आप दोनों के बीच में प्यार भी बढ़ेगा।



# शादीशुदा जिंदगी को खुशहाल बनाने के लिए अपनाएं ये तरीके

लड़का- लड़की दोनों अपनी शादी को सफल बनाने के लिए बहुत कुछ करते हैं, अक्सर देखा जाता है कि शादी के शुरुआती कुछ महीने सब ठीक रहता है पर जैसे- जैसे समय गुजरता जाता है जिंदगी बहुत बोरिंग हो जाती है। रिश्ते में पहले जैसी खुशी, उत्साह और प्यार न जाने कहाँ खो जाता है। एक रिश्ते को सफल बनाने के लिए जितना विश्वास जरूरी है उतना ही एक-दूसरे के साथ टाइम बिताना भी जरूरी होता है लेकिन आजकल लड़का और लड़की दोनों ही काम करते हैं जिसके कारण वह एक दूसरे को टाइम नहीं दे पाते। इससे कई बार रिश्ते में दूरियां आने लगती हैं। आज हम आप कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिनको अपनाकर आप अपने रिश्ते में पहले जैसा प्यार दोबारा जगा सकते हैं। तो आइए जानते हैं तरीकों को बारे में।

## आई लव यू कहना

कई बार आप सोचते हैं कि शादी को इतना टाइम हो गया अब अपने पार्टनर को आई लव यू बोलने से क्या होगा। यह सब काम तो बच्चे और न्यूली मैरिड कपल करते हैं पर ऐसा नहीं जब आप अपने पार्टनर को अपना प्यार दिखाओगे तो वह बहुत खूश हो जाएंगे। अपनी शादी को खूशहाल बनाने के लिए

रोजाना सुबह उठकर आई लव यू कहें। इससे धीरे-धीरे आपके रिश्ते में आई खटास दूर हो सकती है।

## डेट पर चलने के लिए कहें

अक्सर शादी से पहले लड़का और लड़की दोनों एक दूसरे के साथ समय बिताने के बहाने टूटते रहते हैं लेकिन शादी बाद एक दूसरे के साथ टाइम स्पेंड नहीं कर पाते जिससे कई बार रिश्ते खराब होने लगते हैं। अपनी शादी में फिर से वहीं प्यार लाने के लिए अपने पार्टनर के साथ डेट पर जाएं।

## गिफ्ट्स देना

पति और पत्नी दोनों को एक दूसरे को गिफ्ट्स देना चाहिए। चाहे कोई खास दिन हो या न अगर आप अपने पार्टनर को सरप्राइज देंगे तो बहुत खूश हो जाएंगे।

## अतीत की बातें

अतीत की अच्छी बातें करें जैसे कब मिले थे, पहला गिफ्ट क्या था, कब आई लव यू बोला जैसी बातें करें कभी पारस्ट की ऐसी बातें न करें जिससे दूसरे को कोई परेशानी हो। दूसरे के इमोशन को ध्यान में रखकर बात करने से शादीशुदा जिंदगी खूशहाल हो सकती है।



शिशु में जुकाम और बंद नाक की समस्या होना एक आम बात है। इस मौसम में शिशु को इन्फ्लूएंजा और जुकाम का खतरा सबसे ज्यादा होता है। बड़े तो जुकाम होने पर बंद नाक की समस्या को झेल लेते हैं लेकिन बच्चों को इसके कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

# बंद हो जाए शिशु की नाक तो इन घरेलू तरीकों से करें इलाज

वैसे तो शिशु में सर्दी-जुकाम की समस्या को कुछ घरेलू तरीकों से दूर किया जा सकता है लेकिन कई दिनों तक ठीक न होने पर आपको तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। आइए जानते हैं शिशु में नाक बंद होने के लक्षण और उसे पहचान दूर करने के घरेलू उपचार।

## कैसे जानें कि शिशु के नाक बंद हैं?

शिशु की नाक बंद होने पर उनके सांस लेते समय घरघराहट की आवाज निकलती है। इसके अलावा सर्दी-जुकाम होने पर नाक

बहना, सांस लेने में तकलीफ, दूध पीने में प्रॉब्लम और नाक लाल होने जैसी समस्याएं होती हैं।  
 ● नाक बंद होने के कारण  
 ● एलर्जी ● इन्फ्लूएंजा  
 ● शरीर में बैक्टीरिया के कारण  
 ● ठंड लगने के कारण  
 ● साइनस इन्फ्लूएंजा के कारण  
 अपनाए ये घरेलू तरीके -  
**सरसों का तेल**  
 शिशु को जुकाम होने पर उनकी नाक में सरसों के तेल की 2 बूंद डालें। इससे जुकाम भी ठीक हो जाएगा और उन्हें सांस लेने में तकलीफ भी नहीं होगी।

## भाप देना

सर्दी जुकाम होने पर शिशु को नहलाने की बजाए स्पंज स्नान कराएं। इसके अलावा सर्दी-जुकाम को दूर भगाने के लिए उन्हें भाप जरूर दिलावाएं।

## नारियल तेल

शिशु की नाक बंद हो जाए, तो आप नारियल तेल को हल्का गर्म करके नाक में डाल दें। कुछ ही देर में शिशु की बंद नाक खुल जाएगी।

## नींबू

4 नींबू के रस, छिलके और 1 चम्मच अदरक को फांके। इसमें पानी डालकर कुछ देर भिगो दें। इसके बाद इसमें उसी मात्रा में गर्म पानी और

शहद मिस्र करके शिशु को पीलाएं।

## अदरक

6 कप पानी में 1/2 कप बारिक अदरक, 2 छोटी दालचीनी को डालकर 20 मिनट तक पकाएं। इसे छानकर चीनी और शहद मिस्र करके बच्चे को पिला दें। एक वर्ष से कम आयु के बच्चों को यह मिश्रण बराबर मात्रा में गर्म-पानी मिलाकर पिलाएं।

## संतरं

संतरा इम्यून सिस्टम को बढ़ाकर खांसी, गले में दर्द और नाक बहने की समस्या को दूर करता है। छोटे बच्चों को आप चम्मच की मदद से संतरे का रस भी पिला सकते हैं।



# बच्चों को सिखाएं टेबल मैनेर्स

## बैठ कर खाने की आदत डालें

छोटे बच्चों के लिए एक जगह पर बैठना बहुत मुश्किल होता है। डाइनिंग टेबल पर खाना खाने के लिए बच्चों को साथ बिठा रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि उनकी कुर्सी आरामदायक हो। कुर्सी की ऊंचाई बच्चे की हाइट के मुताबिक हो, जिससे वह आराम से बैठ सके।

## सही तरीके से खिलाएं खाना

आप मेहमानों के साथ बैठ कर खाना खा रहे हैं तो बच्चों को

नजरअंदाज न करें। बच्चों को बिना आवाज के खाना खाना सिखाएं। ज्यादा मुंह भरकर खाना न खिलाएं, निवाला सिर्फ उतना ही डालें, जितना वह आराम से खा सके। इससे अलावा प्लेट भर कर खाना न डालें, दोबारा जरूरत पड़ने पर खाना दोबारा सर्व करें।

## बर्तनों का सही इस्तेमाल

डाइनिंग टेबल पर बैठते समय बच्चे को इस बात की जानकारी जरूर दें कि कौन सा बर्तन किस तरीके से इस्तेमाल करना है। बड़े चम्मच को सूप और कटोरी का

बच्चे की पहली पाठशाला उसका घर होता है और पहली टीचर उसकी मां। बच्चे जरा सी भी गलती करें तो सबसे पहले यही बात सुनने के मिलती है कि बच्चे घर में कुछ नहीं सिखाया गया। पढ़ाई के साथ-साथ कुछ बुनियादी शिष्टाचार सिखाने भी बच्चों को बहुत जरूरी हैं। इन्हें में से एक है टेबल मैनेर्स यानि दूसरों के साथ बैठकर किस तरह से खाना खाना है और कैसे व्यवहार करना जरूरी है। इससे बच्चे के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व की भी पहचान होती है।

इस्तेमाल ग्रेवी वाली सब्जी के लिए किया जाता है। खाना खाने के बाद बर्तन सिंक में रखना बच्चे को शुरू से ही यह आदत डालें कि घर अपना हो या किसी और का, खाना खत्म हो जाने के बाद हमेशा प्लेट को सिंक में रखें।

## तारीफ भी करें

अपने बच्चे में इस बात की आदत भी डालें कि खाने के बाद खाना बनाने वाले की तारीफ भी करें।



शिशु काफ़ी नाजुक होते हैं, इसलिए उनकी देखभाल करते समय काफ़ी सावधानियां बरतनी पड़ती है। शिशु को स्तनपान बंद करने बाद अन्य चीजों की आदत डालते समय मां को अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार तो महिलाओं को समझ भी नहीं आता कि शिशु को किन चीजों का सेवन करवाएं।



# ब्रैस्टफीडिंग बंद करने के बाद शिशु को जरूर कराएं इन चीजों का सेवन

स्तनपान बंद करवाने के बाद बहुत जरूरी है कि शिशु ऐसी हेल्दी चीजों का सेवन करें जो उसे स्वस्थ बनाएं रखें। आज हम आपको ऐसे ही कुछ फूड के बारे में बताते जा रहे हैं जिन्हें आप स्तनपान बंद करवाने के बाद शिशु को दे सकती हैं। इनसे बच्चों की सेहत भी बन जाएगी और वो इसे आसानी से खा भी लेंगे।

## हरी सब्जियां

शिशु को स्तनपान बंद करवाने के बाद आप उन्हें हरि सब्जियां जरूर खाने के लिए दें। मटर, पालक, गाजर, चुकंदर आदि को उबालकर मेश करके उसमें स्वादानुसार नमक मिला दें। इसे बच्चे आसानी से खा भी लेंगे और उन्हें सब्जियां खाने की आदत भी पड़ जाएगी।

## डेयरी प्रोडक्ट

जब शिशु स्तनपान छोड़ता है तो उसे पर्याप्त मात्रा पोषण की जरूरत होती है। ऐसे में आप उन्हें डेयरी प्रोडक्ट्स भी दे सकती हैं। पनीर या दूध में मौजूद

कैल्शियम शिशु को स्वस्थ रखते हैं।

## फल

आप शिशु को सीजनल फल भी खाने के लिए दे सकती हैं। सेब, संतरे, केले, आम या किसी भी फल से शिशु को पर्याप्त मात्रा में फाइबर और मिनरल्स मिल जाएंगे।

## जूस

कई बार शिशु फल खाना पसंद नहीं करते या फिर उन्हें इसे चबाने में असुविधा होती है। ऐसे में आप उन्हें फल की बजाए उनका जूस दे सकती हैं। इसे वो पसंद भी करेंगे और उनके शरीर को जरूरी मिनरल्स भी मिल जाएंगे।

## सूप

आप शिशु को सब्जियों का सूप बनाकर भी दे सकती हैं। इससे ना केवल उनको पोषण मिलेगा बल्कि उनके शरीर में पानी की कमी नहीं होगी।

## तांत्रिक ने पांच साल की मासूम बच्ची की बलि चढ़ा दी

छोटाउदपुर (एजेंसी)। मध्य गुजरात से मानव बलि की एक चौका देनेवाली घटना सामने आई है। एआई के युग में कुछ लोग अभी भी अंधविश्वास से चिपके हुए हैं। छोटाउदपुर में अंधविश्वास में एक बच्ची की बलि चढ़ा दी गयी। घटना छोटाउदपुर जिले की बोडेली तहसील के पाणेज गांव में घटी। इसमें लालू हिममत तड़वी नाम के तांत्रिक ने एक बच्ची की जान ले ली है। तांत्रिक सामने वाले घर में रहनेवाली 5 साल की बच्ची को अपने घर ले गया और कुल्हाड़ी से उसका गला काट दिया। इतना ही नहीं मासूम बच्ची के बाद उसके छोटे भाई की भी बलि चढ़ाने का तांत्रिक तैयार था। लेकिन स्थानीय लोगों की वजह से बच्ची के भाई की जान बच गई। स्थानीय लोगों ने बच्चे को बचाया और तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दे दी। जिसके आधार पर तहसीलदार समेत पुलिस काफिला मौके पर पहुंच गई और आरोपी तांत्रिक लालू तड़वी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मासूम बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच शुरु कर दी है। छोटाउदपुर में मानव बलि की यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी जिले के कई गांवों में अंधविश्वास के कारण निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई। तांत्रिकों पर भरोसा करके तूफान, पुरानी बीमारियों या अचानक होने वाली दुर्घटनाओं के लिए निर्दोष लोगों को दोषी ठहराने की परंपरा अभी भी है। अंधविश्वास के कारण नाते-रिश्तेदारों ने ही अपने करीबी लोगों पर शक करके उनके साथ मारपीट या हत्या तक कर दी।

## भाजपा ने लाठीचार्ज का वीडियो जारी कर कहा- अपने ही देश में जीत का जश्न नहीं मना सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने तेलंगाना का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें पुलिस लाठियों भांजती दिखाई दे रही है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि अपने ही देश में क्रिकेट की जीत का जश्न मनाना भी गुनाह हो गया है। भाजपा ने एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें पुलिस लोगों पर लाठियां बरसाती नजर आ रही है। इस घटना को लेकर भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए हैं। भाजपा ने रविवार को रोमांचक फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने पुलिस के कार्रवाई का वीडियो साझा किया है। उन्होंने लिखा, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत का जश्न मनाने से लोगों को रोकने के लिए हैदराबाद पुलिस ने दिलखुशगमर में लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया। ऐसी ही घटना करीमनगर में भी देखी गई है। क्या कांग्रेस शासित राज्यों का यह नया पैतरा है? उन्होंने आगे पूछा, ये आखिर किसें खुश करने की कोशिश कर रहे हैं? भारतीय अपने ही देश की जात का जश्न मनाने के लिए कहां जाएंगे? फिलहाल, इस घटना को लेकर कांग्रेस या तेलंगाना पुलिस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

## दिल्ली में रात को हुई फायरिंग, युवक की मौत से गुस्साएं लोगों ने सुबह लगा दिया जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रविवार देर रात को दो गुटों के बीच हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। इस घटना से गुस्साएं लोगों ने सोमवार सुबह सड़क जाम कर अपना विरोध जताया। जानकारी अनुसार रविवार को देर रात हुई दो गुटों में फायरिंग की घटना में एक व्यक्ति को गोली लग गई। गंभीर घालावस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने सोमवार सुबह को सड़क जाम कर अपना विरोध जताया है। डीसीपी ईस्ट ने घटना के संबंध में बताया कि रविवार देर रात दो गुटों में फायरिंग हुई थी। इस फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहित के तौर पर हुई है। दो गुटों में हुई फायरिंग का कारण पैसों का लेन-देन होना बताया जा रहा है। इस घटना के बाद पुलिस ने 02 लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, जबकि कुछ लोगों ने इसे सांप्रदायिक रुख देने की कोशिश की है, लेकिन प्रारंभिक जांच में ऐसा कुछ भी नहीं मिला है। डीसीपी ईस्ट ने बताया कि जिसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, उसके बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों गुटों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## 40 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा- रेप साबित करने के लिए प्राइवेट पार्ट पर चोट जरूरी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक दुर्घटन के मामले में 40 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि दोष सिद्ध करने के लिए प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशानों का होना ही जरूरी नहीं है। इसके लिए अन्य सबूतों को भी आधार बनाया जा सकता है। एक ट्यूशन टीचर पर अपनी ही छात्रा के साथ रेप का आरोप था। टीचर का कहना था कि पीड़िता के प्राइवेट पार्ट्स पर कोई भी निशान नहीं था इसलिए रेप को साबित नहीं किया जा सकता। उसका कहना था कि पीड़िता की मां ने उसपर झूठा आरोप लगाया है।

दोनों ही तर्कों को खारिज करते हुए जस्टिस संदीप मेहता और प्रसन्न बी की बेंच ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट्स में चोट के निशान नहीं पाए गए थे। हालांकि इसकी वजह से अन्य सबूतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जस्टिस बराले ने कहा, जरूरी नहीं है कि रेप के हर मामले में पीड़िता के शरीर पर चोट के निशान ही पाए जाएं। कोई भी केस परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसलिए रेप के आरोप साबित करने के लिए पीड़िता के शरीर पर चोट के निशानों को जरूरी नहीं माना जा सकता। वहीं पीड़िता की मां पर लगाए गए आरोपों के आरोपों को लेकर बेंच ने कहा, इस केस को लेकर इस तरह की बातों की तह में जाने का कोई मतलब नहीं है। हमें ऐसी कोई भी वजह नहीं पता चली है जिसकी वजह से मां अपनी बेटी को पीड़िता बनाए और टीचर को फंसाने के लिए झूठा केस दर्ज करवाए। इसका मां के चरित्र से कोई लेना-देना भी नहीं है। बता दें कि इस केस को श्री टायर जूडिशियल सिस्टम से गुजरने में 40 साल का वक़्त लगा गया।

# स्टालिन और कमल हासन के बयान का समर्थन कर उद्धव पिता बाल साहेब ठाकरे के हिंदी प्रेम को भूले

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हार के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे फिर मराठा, मराठी और मराठी मानुष के पुराने फॉर्मूले पर लौट रहे हैं। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के बहाने अब उद्धव ने मराठी दांव खेल दिया है। उन्होंने अभिनेता से नेता बने कमल हासन ने हिंदिया वाले बयान का समर्थन किया है।

बता दें कि आरएसएस नेता धैराजी जोशी ने मुंबई में मराठी बोलने को अनिवार्य नहीं बताया था। पूर्व सीएम ठाकरे ने इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जोड़ते हुए मराठा अस्मिता का मुद्दा बना दिया है। दरअसल दिवागत हिंदुवादी नेता बाल साहेब ठाकरे ने बीजेपी के जय श्री राम को कांस्टेंट करने के लिए जय भवानी, जय शिवाजी का नारा भी बुलंद किया। मगर विवाद में उनके सुपुत्र उद्धव ठाकरे भूल गए कि बाल ठाकरे को भी मुंबई में हिंदी अखबार निकालने की जरूरत क्यों पड़ी थी? अक्टूबर-नवंबर में होने वाले मुंबई निकाय



चुनाव की तैयारियों में जुटे उद्धव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कमल हासन सही थे जब उन्होंने कहा कि वे (केंद्र) हिंदिया बनाना चाहते हैं, वे देश में फूट खलना चाहते हैं। उन्होंने सीएम स्टालिन के बयान को दोहराया। ठाकरे ने दावा किया कि उन्हें बिहार के लोगों ने बताया कि हिंदी के कारण राज्य की कई भाषाएं विलुप्त हो गई हैं। स्टालिन भी कई बार कह चुके हैं कि हिंदी और संस्कृत के कारण उत्तर भारत की 25 भाषाएं विलुप्त हो गई हैं। ठाकरे ने कहा कि

हम हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन बीजेपी भाषा के मुद्दे पर फूट डालो और राज करो की नीति अपना रही है।

दरअसल अब उद्धव ने क्षेत्रीय पार्टियों की राजनीति के सूत्र को फिर पकड़ लिया है, इसमें जाति और भाषा जैसे क्षेत्रीय अस्मिता से जोड़े जाते हैं। संघ के पूर्व सरकायवाह जोशी के मराठी भाषा वाले बयान से उन्हें मौका भी मिल गया। संघ नेता जोशी ने कार्यक्रम में कहा कि मुंबई की एक भाषा

नहीं है। मुंबई के हर हिस्से की अपनी अलग भाषा है और यहां रहने वाले को मराठी सीखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे घाटकोपर की भाषा गुजराती है और वहां इससे भी काम चल सकता है। शिवसेना (यूबीटी) ने जोशी के बयान को लपक लिया और बयान को मराठी अस्मिता से जोड़ दिया। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र विधानसभा में भी काफी हंगामा हुआ। विवाद बढ़ने पर संघ के नेता जोशी ने सफाई दी कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। विधानसभा में सीएम देवेंद्र फडनवीस ने भी कहा कि महाराष्ट्र की भाषा मराठी है और यहां रहने वाले लोगों को मराठी सीखनी चाहिए।

आरएसएस का मुख्यालय नागपुर में है। केशव बलराम हेडगवार, लक्ष्मण परांजणे, माधवराव सदाशिव गोलवरकर, बाला साहेब देवरास और मोहन भागवत सहित इसके अधिकतर पदाधिकारी महाराष्ट्र से ही बनते हैं। इसके बावजूद आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी पर कट्टर हिंदी समर्थक होने के आरोप लगते हैं।

## पूर्णिमा सांसद पप्पू का बयान, सवाल ही नहीं उठता आरजेडी और उसके नेता महागठबंधन पर कोई निर्णय लें

पटना। बिहार में साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस लेकर तमाम पार्टियों ने तैयारी शुरु कर दी है। विधानसभा चुनाव से पहले इसतरह के कयास लगाए जा रहे हैं कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पूर्णिमा सांसद पप्पू यादव ने महागठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है।



महागठबंधन को लेकर पप्पू ने कहा कि महागठबंधन का निर्णय सामूहिक होता है। सबकी सहमति से होता है। महागठबंधन का निर्णय राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, माले के नेता और लालू यादव सब मिलकर लेने वाले हैं। लेकिन महागठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस करेगी। सांसद यादव ने दो टुक कहा, सवाल ही नहीं उठता है कि आरजेडी और उनका कोई भी नेता अकेला सक्षम है, निर्णय लेने के लिए। कांग्रेस कभी भी किसी के थोपे हुए निर्णय पर नहीं चलती है और ना ही स्वीकार करती है। कांग्रेस हमेशा देश और समाज के हित में निर्णय लेती है। जो बिहार के हित में होगा वहां निर्णय कांग्रेस लेगी। आरजेडी अपनी पार्टी के निर्णय लेने में सक्षम है। महागठबंधन का निर्णय कांग्रेस नेतृत्व के साथ बैठकर ही होगा। दरअसल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक अजीत शर्मा ने कहा था कि मुख्यमंत्री का चेहरा चुनाव जीतने के बाद तय होगा। जो जीते हुए विधायक के द्वारा तय होगा।

## ललित मोदी न घर के ना घाट के: भारत की छोड़ी, वानूआतू की नागरिकता ली, अब यहां भी रहें?



नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष और वित्तीय गड़बड़ियों के आरोपी ललित मोदी अब घर के रहे न घाट के। वजह ये है कि मोदी भारत की नागरिकता छोड़ चुके हैं। उन्होंने वानूआतू की नागरिकता ली थी। लेकिन भारत के दबाव के चलते वहां के पीएम ने साफ कर दिया कि ललित मोदी की नागरिकता खत्म की जाएगी।

विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की थी कि ललित मोदी ने अपना पासपोर्ट संरक्ष करने का आवेदन कर दिया है। ललित मोदी 2010 में भारत से भागने के बाद लंदन में ही रह रहे थे। कई बार उन्होंने इंटरव्यू भी दिया और खुद को बेकसूर बताया है। भारतीय पासपोर्ट संरक्ष करने के बाद पता चला कि उन्होंने प्रशांत

महासागर के द्वीपीय देश वानूआतू का नागरिकता ले ली है। उन्हें गैरकानूनन पासपोर्ट मिल गया है। दरअसल वानूआतू अमीर लोगों को अपने देश की नागरिकता खरीदने की अनुमति देता है। लगभग 1.3 करोड़ रुपये ही खर्च करके वहां का पासपोर्ट लिया जा सकता है। हालांकि रिपोर्ट्स में बताया गया कि वानूआतू के पीएम ने अपने सिटिजनशिप कमीशन को उनका पासपोर्ट रद्द करने का आदेश दे दिया है।

ललित मोदी भारतीय एजेंसियों की पकड़ से दूर जाने की पूरी योजना बना चुके थे। माना जा रहा था कि दूसरे देश की नागरिकता मिलने के बाद उनका प्रत्यर्पण बहुत मुश्किल हो जाएगा। वानूआतू की मीडिया में बताया गया है कि भारत के दबाव के बाद ही प्रशासन ने ललित मोदी पर एक्शन लेने का फैसला किया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त नीता भूषण ने ललित मोदी का पासपोर्ट रद्द करवाने में बड़ी भूमिका निभाई है। वानूआतू को पहले जानकारों नहीं थी कि ललित मोदी का रिपोर्ट क्या है। भगोड़ा होने की जानकारी मिलने के बाद उनपर एक्शन लिया गया है।

## बाबा बागेश्वर के बयान से नहीं बदल सकते संविधान: तारिक अनवर

पटना (एजेंसी)। (ईएमएस)। पंडित धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर सवाल किए जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद तारिक अनवर ने कहा, यह बाबा बागेश्वर की अपनी राय हो सकती है, लेकिन जो संविधान सभा में बहुत चिंतन और मंथन के बाद संविधान बनाया गया है, वह एक व्यक्ति के बयान से बदलने वाला नहीं है। हमारे देश का संविधान जो विचारशीलता और बहस के बाद तैयार हुआ, उसे किसी के बयान से बदला नहीं जा सकता।

अनवर ने मीडिया से बात करते हुए कई मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने पंडित धीरेंद्र शास्त्री द्वारा हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग, नीतीश कुमार द्वारा भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद का पैर छूने और आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की रणनीति पर टिप्पणी की। चुनाव के समय इस प्रकार के बयान दिए जाते हैं, ताकि माहौल को बिगाड़ जा



सके। चुनाव आ रहे हैं और इस समय इस तरह की बातें करना सामान्य हो जाता है। मगर सवाल यह है कि संविधान ने हमें जो दिशा दी है, वह कभी भी किसी व्यक्ति के बयान से बदलने वाली नहीं है।

बिहार में बाबाओं के दौरे पर तारिक अनवर ने कहा, भाजपा को अपने काम और संसदन पर विश्वास नहीं रहा, इसलिए वह अब बाबाओं का सहारा ले रही है। यह दिखाता है कि उनकी स्थिति कमजोर हो चुकी है और उन्हें अब

ऐसी बाहरी शक्तियों का सहारा लेना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद का पैर छूने को लेकर पूछे जाने पर सांसद ने कहा, नीतीश कुमार ने पहले भी कई बार इस तरह का काम किया है, और यह सभी को पता है कि वह बीमारी से ग्रस्त हैं। ऐसे मामलों में कुछ भी प्रतिक्रिया देने से पहले हमें उनके स्वास्थ्य और स्थिति को समझना चाहिए। 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की रणनीति पर बात करते हुए तारिक अनवर ने कहा, हम सभी को एक साथ मिलकर चुनाव में उतरने की उम्मीद है। हम पिछली बार की कसर को दूर करेंगे और इस बार मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। इंडिया गठबंधन की सरकार यहां बनेगी। इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री चेहेरे को लेकर भी तारिक अनवर ने स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हमेशा बड़ी पार्टी के पास ही मुख्यमंत्री बनने का अधिकार होता है।

## गर्मी बढ़ने से ओडिशा के जंगलों में 7 दिन में हुई 2,586 आग की घटनाएं

भुवनेश्वर (एजेंसी)। गर्मी बढ़ने के साथ ही ओडिशा के जंगलों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं ने चिंता पैदा कर दी है। भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले सात दिनों में राज्य के कई जंगलों में 2,586 आग लगने की घटनाएं हुई हैं। एफएसआई के मुताबिक 2 मार्च से 9 मार्च के बीच ओडिशा के कई जंगलों में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। इन जंगलों में मालकानगिरी, नधरंगपुर, कोरापुट, नुआपड़ा, कालाहांडी, बागढ़, बलांगीर। रायगढ़, कंधमाल, सुंदरगढ़, बौड़, सुधर्णपुर, झारसुआड़ा, संबलपुर, गजपति, गंजाम, देवगढ़, अनुगुल, कटक,

नयागढ़, केंदुझर, मयूरभंज, डेंकानाल और जाजपुर जिले के जंगल शामिल हैं। लगातार आग की इन घटनाओं से वन अधिकारी भी परेशान हैं, उनके द्वारा आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। नतीजतन राज्य में अब आग लगने वाले स्थानों पर वे जल्दी से नहीं पहुंच पा रहे हैं। यह आग लगातार बढ़ती जा रही है। इस वजह से कई पेड़ों और प्राकृतिक वनस्पतियों के नष्ट होने और परिस्थितिकी संतुलन को खतरा पैदा हो रहा है। बता दें 25 फरवरी से 4 मार्च के बीच राज्य के कई जंगलों में 1,172 जगह पर आग लगने की सूचना मिली थी। हालांकि, तब से लेकर अब तक आग लगने की घटना

लगातार बढ़ती ही जा रही है। आंकड़ों से पता चला है कि यह संभावना है कि तापमान में बढ़ोतरी और शुष्क मौसम की स्थिति के कारण जंगल में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। गौरतलब है कि बढ़ते तापमान और शुष्क मौसम ने विस्फोटक स्थितियां पैदा कर दी हैं, 2025 में 1,956 अग्नि बिंदुओं में से 46 फीसदी फरवरी के एक सप्ताह के दौरान घटित हुई हैं। एफएसआई ने फरवरी के बीच तक अलग-अलग कोरापुट स्कंल में 11 बड़ी सक्रिय आग की सूचना दी, जो दक्षिणी ओडिशा के जंगलों में शुरुआती पत्ती गिरने से और बढ़ गई।

## बड़ी उपलब्धि- 5वीं जेनरेशन के लड़ाकू विमान जल्द तैयार करेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना लड़ाकू विमानों की भारी कमी से जूझ रही है। दूसरी तरफ दोनों दुश्मन पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान दोनों ने पांचवी पीढ़ी के फाइटर जेट की तैनाती कर दी है। ऐसे में देश की सुरक्षा में एक-एक पल भारी पड़ रहा है। लेकिन, ऐसा नहीं है कि भारत सरकार और सेना इस जल्दवृत्त को नहीं समझ रहे हैं। भारत भी अपनी तैयारी में जुटा हुआ है।



विमान आ जायेंगे। भारत पहले से ही सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर रहा है। ये 4+ पीढ़ी के बेहतरीन विमान हैं। टेकनोलॉजी ट्रांसफर के तहत भारत में एचएएल के प्लॉट में 222 विमान असेंबल किए जा चुके हैं। कंपनी ने कहा कि भारत चाहे तो बहुत कम समय में सुखोई-30 के लिए लाहौर गए प्लॉट को अपग्रेड किया जा सकता है। उसमें सुखोई-57 का निर्माण शुरू किया जा सकता है। इसके साथ ही भारत की जरूरत के हिसाब से पूरी तरह एक नए विमान को भारत के साथ मिलकर विकसित करने का ऑफर दिया है।

बीते दिनों अमेरिकी के दौरे पर पीएम नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अपने सबसे आधुनिक 5वें जेन फाइटर जेट एफ-35 को देने का

ऑफर दिया था। लेकिन, भारत की जरूरत को ये फाइटर जेट कितना पूरा करता है? इसको लेकर पूछता तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। दूसरी तरफ अमेरिका में भी कुछ लोग इस फाइटर जेट को कबाड़ बता चुके हैं। ऐसे में भारत के लिए इस फाइटर जेट पर भरोसा करना आसान नहीं है। भारत के सामने एक दूसरा विकल्प है रूसी सुखोई-57 फाइटर जेट। यह भी पांचवी पीढ़ी का शानदार फाइटर जेट है। यूक्रेन के साथ युद्ध में रूसी सेना इस फाइटर जेट की क्षमता दिखा चुकी है। लेकिन, भारत की जरूरतों के हिसाब से यह फाइटर जेट को भी परफेक्ट नहीं माना जा रहा है। ऐसे में भारत के सामने क्या विकल्प है? भारत अपना फाइटर जेट बनाने की दिशा में काम कर रहा है लेकिन, उसमें काफी देरी हो रही है। एचएएल समय पर आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं है। इस बीच रूस से भारत को नया ऑफर मिला है। सुखोई विमान बनाने वाली रूसी कंपनी ने कहा है कि भारत चाहे तो बेहद कम समय में सुखोई-57 विमानों को अपने यहां प्रोडक्शन शुरू कर सकता है। कंपनी ने बकायद एक बयान जारी कर कहा है कि वह भारत को पांचवी पीढ़ी का विमान देने के लिए हर तरह की मदद करने को तैयार है।

## गुलमर्ग में रमजान के दौरान फैशन शो पर मचा हंगामा, अब आयोजकों ने मांगी माफी

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मशहूर स्की टाउन गुलमर्ग में रमजान के पवित्र महीने में आउटडोर फैशन शो आयोजित करने वाले फैशन डिजाइनर शिवन और नरेश ने इस कार्यक्रम की मेजबानी के लिए माफी मांगी है। शो को लेकर काफी विवाद हुआ था। डिजाइनरों ने कहा कि रमजान के दौरान शो आयोजित किए जाने से लोगों को जो भी दुख पहुंचा है, उसके लिए वे बहुत खेद व्यक्त करते हैं और उनका एकमात्र उद्देश्य रचनात्मकता का जश्न मनाना था। डिजाइनरों ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान गुलमर्ग में हमारी हालिया प्रस्तुति से किसी को हर्ष होना के लिए हम खेद व्यक्त करते हैं। हमारा एकमात्र उद्देश्य बिना किसी को या किसी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की इच्छा के रचनात्मकता और स्की और एपीआरएस-स्की जीवन शैली का जश्न मनाना था।



मौराबाज फारुक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दशमनाक है। रमजान के पवित्र महीने में गुलमर्ग में एक अश्लील फैशन शो आयोजित किया गया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए हैं। इससे

जो तस्वीरें देखी हैं, उनमें स्थानीय संवेदनाओं के प्रति पूरी तरह से उन्मुख दिखाई देती हैं और वह भी (रमजान के) इस पवित्र महीने के दौरान। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि मेरा कार्यालय स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और मैंने अगले 24 घंटों के भीतर रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सामाजिक कार्यकर्ता राजा मुजफ्फर भट ने इस कार्यक्रम को कश्मीर के नैतिक और धार्मिक मूल्यों को नष्ट करने का प्रयास बताया है।

## राहुल गांधी के बयान से कांग्रेस में बढ़ेगी कलह, हर गुट दूसरे गुट को बीजेपी की 'बी टीम' साबित करेगा

– जानकारों का मानना कांग्रेस की इस स्थिति के लिए शीर्ष नेतृत्व जिम्मेदार

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में विधानसभा चुनाव अभी दो साल का समय शेष है, लेकिन कांग्रेस पार्टी पीएम मोदी के गुरुराज में पहले से ही सक्रिय हो गई है। बीते तीन दशकों से गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सत्ता में कब्जित है, जबकि कभी यह कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था। शायद इस कारण है कि कांग्रेस को लगता है कि आगामी चुनावों में उसकी संभावनाएं बन सकती हैं। राहुल गांधी के हालिया गुजरात दौरे को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी ने गुजरात कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि पार्टी गुजरात की जनता को सही दिशा नहीं दिखा पा रही

है। उन्होंने कांग्रेस के भीतर दो तरह के लोगों की बात की एक जो जनता के साथ है और दूसरे जो जनता से कट हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता बीजेपी के साथ मिले हुए हैं, जिससे कांग्रेस की छवि खराब हो रही है। राहुल ने सख्त कदम उठाने का संकेत देकर कहा कि यदि जरूरी होने पर 10, 15, 20 या 30 लोगों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।

वहीं राहुल गांधी के बयान के बाद कांग्रेस में आंतरिक कलह बढ़ने की संभावना है। उनके बयान के बाद हर गुट दूसरे गुट को बीजेपी की 'बी टीम' साबित करने की कोशिश करेगा। इससे गुजरात कांग्रेस के अंदर फूट और अधिक बढ़ सकती है। वहीं, कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि राहुल का यह बयान पार्टी के लिए नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि इससे कांग्रेस छेड़ने वालों की

संख्या बढ़ सकती है। राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि गुजरात में कांग्रेस को खड़ा करने का उनका प्रोजेक्ट 50 साल का है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वर्तमान समय में जब युवा पीढ़ी पांच साल का भी इंतजार नहीं करना चाहती, वहां 50 साल का लक्ष्य पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल को गिरा सकता है।

इतना ही नहीं नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर राहुल गांधी ने कांग्रेस की संगठनात्मक खामियों पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस अक्सर रस के घोड़े को बारात में और बारात के घोड़े को रस में भेज देती है। राहुल गांधी के इस तंज के बाद सवाल उठता है कि क्या पार्टी नेतृत्व खुद इस स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं है? राजस्थान, पंजाब, असम और मध्यप्रदेश में पार्टी नेतृत्व की गलतियों



के उदाहरण सामने हैं, जहां कांग्रेस के कई कद्दूर नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। गुजरात में आगामी चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस की रणनीति कितनी सफल

होगी, यह समय ही बताएगा। लेकिन राहुल गांधी के इस बयान के बाद पार्टी के भीतर हलचल तेज हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

काठमांडू में नेत्रहीन निवारण केंद्र का उद्घाटन

बीजिंग, एजेंसी। नेपाल और चीन के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को और मजबूती देने हुए नेपाल की राजधानी काठमांडू में हेल्थ एक्सप्रेस चीन-नेपाल नेत्रहीन निवारण सहयोग केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर नेपाल की संघीय संसद की राष्ट्रीय सभा की उपाध्यक्ष बिमला धिमिरे ने कहा कि इस केंद्र से नेपाल के कई मरीजों को बेहतर नेत्र चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। यह सहयोग केंद्र चीन की मदद से बने काठमांडू सिविल सर्वेक्स अस्पताल में स्थापित किया गया है। चीन ने इस केंद्र को अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा उपकरण और अन्य जरूरी संसाधन भी मुहैया कराए हैं। अपने भाषण में बिमला धिमिरे ने चीन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि चीन ने नेपाल के स्वास्थ्य क्षेत्र में बहुत अहम योगदान दिया है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस केंद्र की मदद से हजारों नेपाली मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा। उन्होंने चीन की गरीबी-उन्मूलन की उपलब्धियों की भी सराहना की और कहा कि चीन नेपाल का भरोसेमंद और दीर्घकालिक विकास साझेदार है। शांगहाई सहयोग संगठन की अच्छे पड़ोसी, मैत्री और सहयोग समिति की उपाध्यक्ष लुई ली ने इस मौके पर कहा कि यह केंद्र नेपाल और चीन के बीच सहयोग का एक नया अध्याय है। चीन ने सिर्फ नेपाल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को ट्रेनिंग देना, बल्कि अंधेपन की रोकथाम और नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करेगा। नेपाल में चीनी राजदूत छन सोंग ने भी इस मौके पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में स्वास्थ्य रेशम मार्ग के तहत चीन और नेपाल ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण साझेदारियों की हैं। चीन की मदद से नेपाल में कई अस्पताल और मेडिकल लैब बनाई गई हैं, जिससे यहां की प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं में जबरदस्त सुधार हुआ है। इसके अलावा, नेपाल में काम कर रही चीनी चिकित्सा टीमों ने हजारों मरीजों का इलाज और जांच की है।

पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह का काठमांडू लौटने पर भव्य स्वागत की तैयारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह दो महीने तक देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने के बाद रविवार को पोखरा से काठमांडू लौट रहे हैं। राजतंत्र समर्थक राष्ट्रीय प्रजाजति पार्टी और अन्य समर्थक रविवार दोपहर को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत करने की योजना बना रहे हैं। उनके स्वागत के लिए हजारों लोगों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने काठमांडू हवाई अड्डे से लेकर पूर्व राजा के निवास स्थान निर्मल निवास तक सुरक्षा बढ़ा दी है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। राजतंत्र समर्थक समूह 19 फरवरी से लोकतंत्र दिवस के बाद से काठमांडू समेत देश के विभिन्न हिस्सों में रैलियां निकाल रहे हैं और वे पूर्व राजा के पक्ष में और वर्तमान सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। ज्ञानेंद्र शाह ने इस अवसर पर कहा, समय आ गया है कि मैं देश की रक्षा करने और राष्ट्रीय एकता लाने की जिम्मेदारी संभालूं।

कोलंबिया में 29 अधिकारियों का अपहरण, रक्षा मंत्री ने की जल्दी मुक्ति की घोषणा

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेद्रो सांवेज ने शनिवार को देश के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में हाल ही में हुए 29 कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अपहरण की निंदा की। उन्होंने कहा कि सरकार उन्हें जल्दी से मुक्त कराने के लिए काम कर रही है। बचाव के कि यह अपहरण शुक्रवार को एल प्लेटेडो क्षेत्र में एक हिंसक हमले के दौरान हुआ, जिसमें 28 पुलिस अधिकारी और एक सैनिक को पकड़ लिया गया था। इस हमले का आरोप कालोस पैटिनो नामक सशस्त्र समूह के समर्थकों पर लगाया गया है। यह समूह कोलंबिया के पूर्व क्रांतिकारी सशस्त्र बलों के असंतुष्ट सदस्य हैं, जिन्होंने 2016 में सरकार के साथ किए गए शांति समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

कैलिफोर्निया में एक हादसे में आठ लोग घायल

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के लॉस एंजिल्स क्षेत्र में शनिवार को एक ड्राइवर द्वारा कार शोरूम में अपनी कार घुसा दी, जिससे आठ लोग घायल हो गए। लॉस एंजिल्स काउंटी फायर डिपार्टमेंट के प्रवक्ता जोनाथन टोरेस ने कहा कि इंगलवुड में कार डीलरशिप में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य छह को मामूली चोटें आईं। दरअसल एक एसयूवी कार चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया और कार एक कार शोरूम में घुस गई। जिससे कार शोरूम में मौजूद लोग घायल हो गए। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। कार के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

थाईलैंड में छात्र अपनी पसंद से हेयरस्टाइल रख सकेंगे, कोर्ट ने 50 साल पुराने नियम को खत्म किया

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के छात्रों को अब अपनी पसंद से हेयरस्टाइल रखने का अधिकार मिल गया है। सुप्रीम एडमिनिस्ट्रेटिव कोर्ट ने शिक्षा मंत्रालय के हेयरस्टाइल से जुड़े नियम को खत्म कर दिया है। नियम को 1975 में लागू किया गया था। इसके मुताबिक छात्रों को छोटे बाल रखने होते थे और दाढ़ी-मूछ रखने की परमिशन नहीं थी। वहीं लड़कियों को कान से नीचे बाल बढ़ाने या मेकअप करने की अनुमति नहीं थी।

अमेरिका की राह पर पाकिस्तान: अफगान शरणार्थियों को देश खाली करने का आदेश

इस्लामाबाद, एजेंसी। अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने की नीति सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि अब पाकिस्तान भी इसी रास्ते पर चल पड़ा है। पाकिस्तान सरकार ने अफगान नागरिक कार्ड (छूट) धारकों को 31 मार्च तक स्वेच्छ से पाकिस्तान छोड़ने की समय सीमा कर दी है। यह फैसला पाकिस्तान में दशकों से बसे अफगान शरणार्थियों के खिलाफ चलाए जा रहे निष्कासन अभियान का हिस्सा है। यहां हम पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों के इतिहास और उन्हें बाहर निकालने के पीछे की वजहों पर नजर डालते हैं।



**अफगान शरणार्थियों की वर्तमान स्थिति:** यूएनएचसीआर के अनुसार, पंजीकृत शरणार्थियों और 8 लाख से अधिक अनिर्दिष्ट लोगों सहित 3 मिलियन से अधिक अफगान शरणार्थी पाकिस्तान में रह रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान में वर्तमान में 8 लाख से अधिक अफगान नागरिकता कार्ड (एसीसी) धारक और लगभग 13 लाख पंजीकृत अफगान शरणार्थी निवास प्रमाण पत्र (पीओआर) कार्ड के साथ रह रहे हैं। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने 2023 में कहा था कि वर्तमान में लौटने तक, पाकिस्तान में पिछले चार दशकों में आधिकारिक तौर पर लगभग 28 लाख अफगान रह रहे हैं। 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के

छोड़ने के लिए कहने के प्रमुख कारण सुरक्षा चिंताएं, आर्थिक दबाव और राजनीतिक विचार हैं। **सीमा सुरक्षा की चिंता:** पाकिस्तान के अधिकारियों का तर्क है कि अवैध विदेशी नागरिक अपराध और उग्रवाद को बढ़ावा देते हैं। इस्लामाबाद में लंबे समय से अफगान प्रवासियों पर आतंकवादी समूहों को शरण देने या उनका समर्थन करने का आरोप लगाया है। अफगान-पाकिस्तान सीमा का अधिकांश हिस्सा ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरता है, जिस पर पूरी तरह से नियंत्रण करना मुश्किल है। पाकिस्तानी सेना ने सीमावर्ती क्षेत्रों में इस्लामी आतंकवादियों के खिलाफ कई ऑपरेशन किए हैं। हाल ही में दिसंबर 2024 में पूर्वी पकिस्तान प्रांत में कथित टीटीपी ठिकानों पर अफगान अधिकारियों ने दावा किया कि हवाई हमलों में 46 लोग मारे गए।

**अफगान शरणार्थियों को दोषी ठहरा रहा:** पाकिस्तान सरकार आतंकवादी हमलों के लिए अफगान शरणार्थियों को दोषी ठहरा रही है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जीटीआई) 2025 के अनुसार, पाकिस्तान अब दुनिया भर में आतंकवाद से दूसरे सबसे अधिक प्रभावित देश के रूप में स्थान पर है। पाकिस्तान को बढ़ती महंगाई, बढ़ते कर्ज और संघर्षशील नौकरी बाजार का सामना करना पड़ रहा है।

कुलभूषण जाधव को अगवा कराने वाला मुफ्ती मारा गया: पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी



कोटा, एजेंसी। भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव को अगवा कराने में मदद करने वाले मुफ्ती शाह मीर की पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मौत हो गई है। उसे शुक्रवार रात अज्ञात बंदूक धारियों ने गोली मार दी। मुफ्ती मीर ने ईरान से कुलभूषण जाधव को अगवा करने में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी दुरुष्ट की मदद की थी। शुक्रवार रात को नमाज के बाद वह मस्जिद से बाहर निकल रहा था। तभी बाइक सवार हमलावरों ने घात लगाकर उस पर हमला कर दिया और कई गोली मारी। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। ह्यूमन ट्रेफिकिंग (मानव तस्करी) और हथियारों की तस्करी में शामिल मुफ्ती मीर इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम का मेंबर था। पाकिस्तान ने जाधव को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया। पाकिस्तानी सेना 3 मार्च 2016 को बताया कि उसने कुलभूषण जाधव को बलूचिस्तान प्रांत से गिरफ्तार किया गया। पाकिस्तान ने उन पर जासूसी और देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। पाकिस्तान ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें जाधव ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वह भारतीय खुफिया एजेंसी आरएडब्ल्यू के लिए काम कर रहे थे और बलूचिस्तान तथा कराची में अस्थिरता फैलाने में शामिल थे। हालांकि, भारत ने इसे खारिज कर दिया और इसे जबरन लिया गया बयान बताया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने जाधव को ईरान से अगवा किया। जाधव रिटायरमेंट के बाद ईरान में बिजनेस कर रहे थे। जाधव पर पाकिस्तान की सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया गया। 10 अप्रैल 2017 को सैन्य अदालत ने उन्हें जासूसी, आतंकवाद और देशविरोधी गतिविधियों के आरोप में मौत की सजा सुनाई। भारत ने इस फैसले की कड़ी निंदा की और मामले में पारदर्शिता नहीं बरतने का आरोप लगाया।

चीन के नौ विमान-सात जहाज, दो गुब्बारे ताइवान के आसपास दिखे, ड्रैगन की सैन्य गतिविधि से चिंता

ताइपे, एजेंसी। चीन के तरफ से ताइवान की सीमा पर सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी गई हैं। ताइवान की राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने दावा किया है कि, रविवार को सुबह छह बजे तक (स्थानीय समयानुसार) पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के विमानों की नौ एयरक्रॉफ्ट, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नौवीं (पीएलएएन) के सात जहाज और दो चीनी गुब्बारे देखे गए हैं। ताइवानो एमएनडी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ताइवान के आसपास संचालित पीएलए विमानों की नौ एयरक्रॉफ्ट और 7 पीएलएएन जहाज आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक देखे गए। नौ में से सात एयरक्रॉफ्ट मध्य रेखा को पार करके ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। इस दौरान दो पीआरसी गुब्बारे देखे गए। **एक दिन पहले भी देखी थी सैन्य गतिविधि :** शनिवार को इससे पहले, एमएनडी ने अपने आसपास चीनी विमानों की दो उड़ानें, छह चीनी नौसैनिक जहाज और आठ चीनी गुब्बारे देखे। ताइवानो एमएनडी ने कहा, ताइवान के आसपास पीएलए विमानों और 6 पीएलएएन जहाजों की 2 उड़ानें आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक देखी गईं। इस समयविधि के दौरान 8 पीआरसी गुब्बारे देखे गए। हमने स्थिति पर नजर रखी और तदनुसार प्रतिक्रिया की।

अमेरिका ने अपने नागरिकों से कहा- पाकिस्तान की यात्रा करने से पहले अच्छी तरह सोच लें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश विभाग ने शुक्रवार को एक ट्वैल एडवाइजरी जारी किया है। इसमें अमेरिका ने अपने नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से आगाह किया। ट्वैल एडवाइजरी में कहा गया है कि आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की संभावना के जोखिम के कारण पाकिस्तान की यात्रा से पहले एक बार पुनर्विचार जरूर करें। विदेश विभाग के वाणिज्य दूतावास मामलों के ब्यूरो द्वारा जारी स्तर 3 यात्रा परामर्श में चेतावनी दी गई है कि आतंकवादी बिना किसी चेतावनी के परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल, सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, विश्वविद्यालयों, पर्यटक आकर्षणों, स्कूलों, अस्पतालों, पूजा स्थलों और सरकारी सुविधाओं को निशाना बनाकर हमला कर सकते हैं। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान 2024 में दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आतंकवाद प्रभावित देश

बनकर उभरा है। पहले चौथे स्थान से दूसरे स्थान पर आने वाले इस देश में आतंकवाद से संबंधित मौतों में 45वें की खतरनाक वृद्धि देखी गई, जिसमें कुल हताहतों की संख्या 2023 में 748 से बढ़कर 2024 में 1,081 हो गई। यह वैश्विक स्तर पर सबसे तेज वृद्धि में से एक है। इस बीच, आतंकवादी हमलों की संख्या 2023 में 517 से बढ़कर 2024 में 1,099 हो गई, जो सूचकांक की स्थापना के बाद से पहला वर्ष था जब हमलों ने 1,000 का आंकड़ा पार किया। इस सप्ताह की शुरुआत में, खैबर पख्तूनख्वा में बन्नु खवानी पर हुए आतंकवादी हमलों में कम से कम पांच सैनिक और 13 नागरिक शहीद हो गए, जिसमें सुरक्षा बलों ने शामिल सभी 16 आतंकवादियों को मार गिराया। विदेश विभाग की ट्वैल एडवाइजरी में आगे कहा गया है कि पाकिस्तान का सुरक्षा वातावरण अस्थिर बना हुआ है। इसमें कहा गया है कि प्रमुख शहरों, विशेष रूप से



इस्लामाबाद में अधिक सुरक्षा संसाधन और बुनियादी ढांचा है, और इन क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ देश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में किसी आपात स्थिति का अधिक तत्परता से जवाब देने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा, अमेरिकी सरकार ने यह भी चेतावनी दी कि किसी विरोध प्रदर्शन के नजदीक होने पर पाकिस्तानी अधिकारी आपकी जांच कर सकते हैं। क्योंकि विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने और सौपाल मीडिया पर ऐसी सामग्री प्रसार करने के लिए (जिसमें पाकिस्तानी सरकार की आलोचना की गई थी) अमेरिकियों को हिरासत

में लिया गया है, जिसे पाकिस्तानी सरकार की आलोचना माना जाता है। यह देखते हुए कि देश में अमेरिकी सरकार के कर्मियों को कुछ हिस्सों में यात्रा के लिए सशस्त्र अनुपस्थिति और बखतरबंद वाहनों का उपयोग करने की आवश्यकता होती है। राज्य विभाग ने अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी कि ताजा समाचारों से अलग रहने के लिए मीडिया पर नजर बनाये रखें। अमेरिकी एडवाइजरी में कहा गया है कि ऐसी निकासी योजनाएं बनाएं जो अमेरिकी सरकार की सहायता पर निर्भर न हों। यात्रा दस्तावेजों को अपडेटेड और आसानी से सुलभ रखें। व्यापक चिकित्सा बीमा प्राप्त करें जिसमें चिकित्सा निकासी शामिल है। एडवाइजरी में कहा गया है कि यात्रा करने से पहले स्थानीय कानूनों और शर्तों की समीक्षा करें। प्रियजनों के साथ महत्वपूर्ण दस्तावेज, लॉगिंग जानकारी और संपर्क बिंदु साझा करें। परिवार, अपने नियोक्ता या मेजबान

कनाडा पर एक और बम फोड़ने की तैयारी में ट्रंप! दोनों देशों की सीमा का फिर से कर सकते हैं निर्धारण



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाने के बाद से कनाडा में चिंता और नाराजगी का माहौल है। अब ऐसा लगता है कि ट्रंप, कनाडा पर एक और बम फोड़ने वाले हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए हैं कि वे कनाडा और अमेरिका की सीमा का फिर से निर्धारण का फैसला ले सकते हैं। ट्रंप ने कहा है कि उन्हें ऐसा लगता है कि अमेरिका और कनाडा के बीच हुआ सीमा निर्धारण सही नहीं है और इसे फिर से निर्धारित करने की जरूरत है।

हिस्सा था। अब ट्रंप दोनों देशों के बीच झीलों और नदियों के पानी के बंटवारे पर फिर से चर्चा करने की बात कर रहे हैं। **कनाडा से इन मुद्दों पर नाराज हैं ट्रंप :** ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात भी कर रहे हैं और कई बार कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो को गवर्नर ट्रूडो कहकर संबोधित कर चुके हैं। इसे निर्धारित करने की मांग की। ट्रंप ने अमेरिका और कनाडा के बीच हुई जल संधि को लेकर भी लाखों जाहिर की। गैरतलब है कि अमेरिका और कनाडा के बीच साल 1908 में जलसंधि हुई थी, उस वक्त कनाडा, ब्रिटेन का

लगाया था। साथ ही कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में कई खामियां हैं। उन्होंने कनाडा पर अपने डेयरी उद्योग को संरक्षण देने, कनाडा में अमेरिकी बैंकों के कामकाज करने में होने वाली परेशानी का भी मुद्दा उठाया था। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने भी हाल ही में ट्रंप के बयान पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अमेरिका द्वारा फेडरल का जो बहाना दिया जा रहा है, वह पूरी तरह से फर्जी और गलत है। उन्होंने कहा कि ट्रंप कनाडा की अर्थव्यवस्था को तबाह करना चाहते हैं।

म्यांमार शासन का जनवरी 2026 तक चुनाव कराने का वादा



नेपीडॉ, एजेंसी। म्यांमार के प्रधानमंत्री मिन आंग ह्लाईंग ने बेलारूस की अपनी यात्रा के दौरान ऐलान किया कि उनके देश में चुनाव दिसंबर 2025 या जनवरी 2026 में होने की संभावना है। यह जानकारी सरकारी मीडिया ने शनिवार को दी। र्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार की रिपोर्ट के अनुसार, ह्लाईंग ने बेलारूस में कहा, 2020 के आम चुनाव में धोखाधड़ी के कारण, हमें आपातकाल की स्थिति घोषित करनी पड़ी और अस्थायी रूप से देश की जिम्मेदारी लेनी पड़ी। इसलिए, हम कानून के तहत जल्द ही स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की योजना बना रहे हैं।



ह्लाईंग ने कहा, हम दिसंबर 2025 या जनवरी 2026 तक चुनाव कराने की योजना बना रहे हैं। 53 राजनीतिक दलों ने चुनाव में भाग लेने के लिए अपनी सूची पहले ही जमा कर दी है। चुनाव के संबंध में, हम बेलारूस से निगरानी टीमों को भी आमंत्रित करते हैं वे आएँ और निरीक्षण करें। पिछले महीने, एक कैबिनेट मीटिंग के दौरान, ह्लाईंग ने कहा था कि राजनीतिक दल तभी अपना अभियान शुरू कर सकते हैं जब क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। उन्होंने कहा कि शासन ने उत्तरी शान राज्य, राखीन, काचिन, काया (करेनी), करेन और त्सां राज्यों और मध्य म्यांमार के बड़े हिस्से को विद्रोही समूहों के हाथों खो दिया है। हालांकि, सैन्य जुटा के चुनावी वादों की घरेलू और

नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रंप को सुना दी खरी-खरी, कनाडा कभी भी नहीं बनेगा अमेरिका का हिस्सा



ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के नवनि्युक्त प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पद संभालते ही सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप पर आग उगारते दिखाई दिए। अमेरिका राष्ट्रपति का नाम लिए बिना उन्होंने स्पष्ट किया है कि कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा बनना कबूल नहीं करेगा। बला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जबसे सत्ता में आए हैं, वे कनाडा पर हमलावर हैं। पहले उन्होंने टैरिफ की धमकी दी और अब उनका कहना है कि अमेरिका और कनाडा के बीच की सीमा का पुनर्निर्धारण होना चाहिए। जस्टिन ट्रूडो पर उनकी ही पार्टी के अधिवाह के बाद अब अर्थव्यवस्था के जानकार और ट्रूडो सरकार का समर्थन करता है। कनाडा किसी भी रूप में ही मंत्री रहे चुके मार्क कार्नी को प्रधानमंत्री बनाया है। कार्नी ने कहा कि लिबरल पार्टी एकजुट है

और कनाडा के हित में पहले ही की तरह काम करने को तैयार है। कार्नी ने अपने पहले ही भाषण ट्रंप का नाम लिया बिना कहा कि देश को दुनिया का महान देश बनाया है और अब पड़ोसी चाहता है कि इसपर कब्जा कर ले। यह कभी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारे संसाधनों का दोहन करना चाहता है। अमेरिका को हमारे पानी, भूमि और देश की जरूरत है। अगर वे सफल हो गए तब हम खतम हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक संस्कृति को खत्म करने वाले पड़व पर उनकी ही पार्टी के अधिवाह के बाद अब अर्थव्यवस्था के जानकार और ट्रूडो सरकार का समर्थन करता है। कनाडा किसी भी रूप में अमेरिका का हिस्सा नहीं हो सकता।

बात दें कि कार्नी 'बैंक ऑफ कनाडा' के पूर्व प्रमुख हैं और 'बैंक ऑफ इंग्लैंड' में अहम पद पर सेवानिवृत्त हैं। कहा जाता है कि इन अहम पदों पर रहने के कारण वह देश को आर्थिक चुनौतियों से बाहर निकालने में सफल रह सकते हैं। कार्नी ने कहा, 'कोई है जो हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।' उनका सीधा इशारा ट्रंप की तरफ था। उन्होंने कहा, 'जैसा कि हम जानते हैं ट्रंप ने हमारे द्वारा बनाए गए उपायों, हमारे द्वारा बेची जाने वाली वस्तुओं और हमारे जीवनयापन के साधनों पर अनुचित शुल्क लगा दिए हैं। वह कनाडाई परिवारों, श्रमिकों और व्यवसायों पर हमला कर रहे हैं लेकिन हम उन्हें सफल नहीं होने दे सकते।' कार्नी ने कहा कि कनाडा तब तक जवाबी शुल्क लागू रखेगा जब तक अमेरिकी शुल्क को जारी रखता है।

# सूरत टेक्सटाइल मार्केट में फागोत्सव के नाम पर अश्लील डांस

शिवशक्ति मार्केट के व्यापारी चिंतित, अन्य मार्केट में व्यापारियों ने युवतियों के साथ लगाए ठुमके

क्रांति समय

www.krantisamay.com  
www.guj.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com  
www.rti.krantisamay.com

सूरत के टेक्सटाइल मार्केट में होली के पहले फागोत्सव के नाम पर आयोजित एक कार्यक्रम में अश्लील डांस का वीडियो सामने आया है। शिवशक्ति मार्केट के व्यापारियों ने इस तरह के आयोजनों को लेकर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि जहां एक तरफ व्यापारी मंदी और बाजार में गिरावट को लेकर परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ मार्केट में व्यापारियों ने युवतियों के साथ ठुमके लगाकर माहौल को असहज बना दिया। शिवशक्ति मार्केट के व्यापारियों ने इस तरह के आयोजनों पर



कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि टेक्सटाइल बाजार व्यापार का केंद्र है, ना कि मनोरंजन का स्थान। उनका कहना है कि इस तरह के कार्यक्रमों से टेक्सटाइल मार्केट की प्रतिष्ठा पर बुरा असर पड़ता है। प्रास जानकारी के अनुसार, कुछ अन्य मार्केटों में व्यापारियों ने युवतियों के साथ नाच-गाने का आयोजन किया, जिसमें कई व्यापारियों को डांस करते देखा गया। इस दौरान तेज संगीत और डांस को लेकर कई

लोगों ने सोशल मीडिया पर भी नाराजगी जताई। व्यापारी संगठनों का कहना है कि टेक्सटाइल मार्केट को एक गिरामायी स्थान के रूप में देखा जाता है, और इस तरह के आयोजनों से बाजार की छवि खराब होती है। उन्होंने मांग की है कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों पर रोक लगाई जाए, ताकि टेक्सटाइल उद्योग की प्रतिष्ठा बनी रहे। सूरत के शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में कुछ दिनों पहले भीषण आग लग गई थी, जिससे सैकड़ों व्यापारी सड़क पर आ गए। आग में व्यापारियों का लाखों का माल जलकर राख हो गया। इस संकट की घड़ी में अन्य व्यापारी भी उनकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं।

जहां एक तरफ शिवशक्ति मार्केट के व्यापारी आग से हुए नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सूरत के अन्य टेक्सटाइल मार्केट में फागोत्सव के नाम पर अश्लील डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में युवतियां व्यापारियों के साथ अभद्र इशारे करती नजर आ रही हैं। इन वीडियो पर कई व्यापारियों और कलाकारों ने कड़ी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि टेक्सटाइल मार्केट व्यापार का स्थान है, न कि मनोरंजन का मंच। ऐसे आयोजनों से मार्केट की छवि खराब होती है और व्यापारिक माहौल भी प्रभावित होता है।

बकाया संपत्ति कर की वसूली के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई साउथ जोन (उधना) के मूल्यांकन और वसूली विभाग द्वारा लगातार सख्त वसूली अभियान

क्रांति समय  
www.krantisamay.com  
www.guj.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com  
www.rti.krantisamay.com



साउथ जोन (उधना) के मूल्यांकन और वसूली विभाग द्वारा लगातार सख्त वसूली अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत बकाया संपत्ति कर की वसूली के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के दौरान, जिन संपत्ति मालिकों ने अब तक बकाया कर जमा नहीं किया है, उनकी संपत्तियों को सील करने और जल कनेक्शन काटने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है। 10 मार्च 2025 तक, कुल 175 संपत्तियों को सील किया गया और 107 सोसाइटी के खुले प्लॉटों पर बकाया कर का नोटिस दर्शाने वाले बोर्ड लगाए गए।

इस कार्रवाई के दौरान, मौके पर ही खुले प्लॉट मालिकों से 10 लाख रुपये की वसूली की गई, जबकि संपत्तियों को सील

करने और जल कनेक्शन काटने की कार्रवाई के कारण 97.41 लाख रुपये की वसूली हुई। इसके अतिरिक्त, एडवांस चेक के माध्यम से भी बकाया कर की राशि प्राप्त की गई। सख्त वसूली अभियान के चलते, साउथ जोन (उधना) ने चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 278.74 करोड़ रुपये की कर वसूली की है। संपत्ति मालिकों को 2024-25 से पहले के बकाया कर पर ब्याज माफी का लाभ उठाने की सूचना दी गई थी, और कई करदाताओं ने इस योजना का लाभ लिया। हालांकि, जो संपत्ति मालिक अब भी कर का भुगतान करने में लापरवाही बरत रहे हैं, उनकी संपत्तियों को सील करने और जल कनेक्शन काटने जैसी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। बकाया करदाताओं से अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द अपने बकाया संपत्ति कर का भुगतान करें, ताकि उन्हें किसी भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई का सामना न करना पड़े।

## सामूहिक आत्महत्या में पिता-पुत्र, दलाल की गिरफ्तारी

क्रांति समय

www.krantisamay.com  
www.guj.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com  
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा आत्महत्या करने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि परिवार को उनके दिए गए मकान के टोकन के 1 लाख रुपये वापस नहीं मिल रहे थे, जिसके चलते वे मानसिक तनाव में आ गए और सामूहिक आत्महत्या करने के

जामनगर जिले के कालावड़ तालुका के खारावेड़ा गांव के निवासी 54 वर्षीय भरतभाई दीनूभाई शशांगिया, उनकी पत्नी वनिताबेन (52) और पुत्र हर्ष (24) पिछले एक साल से अमरोली, छापराभाठा रोड स्थित एटेलिया ड्रीम रेजिडेंसी के सी/2 बिल्डिंग में रह रहे थे। भरतभाई पहले हीरा उद्योग में काम करते थे, लेकिन मंदी के कारण उनकी नौकरी चली गई और वे वॉचमैन की नौकरी कर रहे थे। वहीं, हर्ष एक फाइनेंस

लाख रुपये लौटाने में असमर्थ था, क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति खराब थी। इस वजह से \*\*हितेश, उसके पिता संजय और दलाल राजु ने परिवार को लगातार धमकियां दीं और पैसे चुकाने का दबाव बनाया। 8 मार्च को पैसे चुकाने का वादा किया गया था, लेकिन राशि नहीं चुका पाने के कारण 7 मार्च की रात भरतभाई, वनिताबेन और हर्ष ने जहर पीकर आत्महत्या कर ली। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां



लिए मजबूर हो गए।

पिता-पुत्र और दलाल गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस ने मकान का सौदा करने वाले दलाल और खरीदार पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। इन तीनों पर पीड़ित परिवार को मानसिक प्रताड़ना देने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। कैसे फंसा पूरा मामला?

पीड़ित परिवार ने एक मकान खरीदने के लिए टोकन के रूप में 1 लाख रुपये दिए थे, लेकिन सौदा किसी कारणवश पूरा नहीं हो सका। जब परिवार ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उन्हें लौटाने से इनकार कर दिया और बार-बार टालते रहे। इससे पीड़ित परिवार मानसिक रूप से टूट गया और अंततः सामूहिक आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हीरा उद्योग में मंदी के कारण नौकरी गई थी मूल रूप से गुजरात के

कंपनी में लोन एजेंट के रूप में काम करता था। आर्थिक तंगी से परेशान होकर फ्लैट बेचना पड़ा पिछले पांच महीनों से आर्थिक

मकान के टोकन के 1 लाख रुपये वापस लेने के लिए परिवार के 3 सदस्यों को आत्महत्या के लिए मजबूर किया, आरोपी जेल भेजे गए

तंगी के कारण वे फ्लैट की ईएमआई नहीं भर पा रहे थे। इसलिए परिवार ने अपना फ्लैट 22 लाख रुपये में हितेश संजयभाई पटेल को बेचने का सौदा किया। इस सौदे में बिचौलिया राजुभाई आंबलिया के जरिए 1 लाख रुपये टोकन के रूप में लिए गए थे। लेकिन बाद में खरीदार को पता चला कि फ्लैट पर पहले से ही बैंक लोन बकाया है, जिसके कारण उन्होंने सौदा रद्द कर दिया और 1 लाख रुपये वापस मांगे। पैसे लौटाने के दबाव में मानसिक तनाव भरतभाई और उनका परिवार 1

तीनों की मौत हो गई। सुसाइड नोट के आधार पर तीनों गिरफ्तार

पुलिस को जांच में भरतभाई का लिखा हुआ सुसाइड नोट मिला, जिसमें हितेश, संजय और राजु द्वारा बार-बार धमकियां देने और प्रताड़ित करने का जिक्र था। इस आधार पर अमरोली पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी:

1. हितेश संजयभाई पटेल (26) - निवासी अल्पानगर, कतारगाम  
2. संजय मफतलाल पटेल (47) - निवासी अल्पानगर, कतारगाम (मूल रूप से पाटण जिले के हारीज तहसील के अडिया गांव के निवासी)  
3. राजु हरजीभाई आंबलिया (48) - निवासी पटेल पार्क, छापराभाठा रोड, अमरोली (मूल रूप से भावनगर जिले के महुवा तहसील के देवगड़ा गांव के निवासी)  
तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सूरत में जगह-जगह चल रहा देह व्यापार

स्या और मसाज पार्लर की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

क्रांति समय

www.krantisamay.com  
www.guj.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com  
www.rti.krantisamay.com

स्या और मसाज पार्लर की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट पकड़े जा रहे थे, लेकिन अब सूरत पुलिस ने एक वेल्नेस सेंटर के अंदर चल रहे वेश्यावृत्ति रैकेट का पर्दाफाश किया है।

चार ग्राहक गिरफ्तार, दो आरोपी वांछित घोषित

शहर में अवैध रूप से संचालित देह व्यापार पर पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। रांदेर पुलिस थाना क्षेत्र में एक वेल्नेस सेंटर की आड़ में चल रहे वेश्यावृत्ति रैकेट का खुलासा हुआ। पुलिस ने छापेमारी कर थाईलैंड की 6 युवतियों को देह व्यापार के जाल से मुक्त कराया। इसके अलावा, संचालक रोशन सिंह और चार ग्राहकों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो आरोपियों को वांछित घोषित किया गया। गिरफ्तार ग्राहकों में से एक नाबालिग भी शामिल है।

6 विदेशी युवतियों को देह व्यापार के दलदल से छुड़ाया गया

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के रांदेर थाना क्षेत्र के



पालनपुर जकातनाका स्थित वी स्कवायर बिल्डिंग के दूसरे माले पर एक वेल्नेस सेंटर की आड़ में देह व्यापार का धंधा चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर छापेमारी मारा गया। इस दौरान पुलिस को अंदर से थाईलैंड की 6 युवतियां देह व्यापार में लिप्त मिलीं, जिन्हें तत्काल मुक्त कराया गया।

गिरफ्तार ग्राहकों में एक नाबालिग भी शामिल छापेमारी के दौरान पुलिस ने वेल्नेस सेंटर के संचालक रोशन सिंह और चार ग्राहकों को हिरासत में लिया। इनमें से एक नाबालिग भी शामिल था। इसके अलावा, पुलिस ने हनी नाम की महिला और अभय सालुंके नाम के व्यक्ति को वांछित घोषित किया है।

भाड़े पर ली गई जगह में चल रहा था देह व्यापार

पुलिस जांच में सामने आया कि ग्राहकों से शारीरिक संबंध बनाने के लिए 5000 रुपये वसूले जाते थे, जिसमें से विदेशी युवतियों को केवल 2000 रुपये दिए जाते थे। पुलिस को यह भी पता चला कि हनी और अभय सालुंके नाम के आरोपी रोशन सिंह के साथ मिलकर वेल्नेस सेंटर की जगह किराए पर लेकर इस अवैध धंधे को चला रहे थे। मगदल्ला गांव में रहने वाली विदेशी युवतियों का सर्वे भी हुआ था

पूछताछ के दौरान यह सामने आया कि ये सभी विदेशी युवतियां सूरत के मगदल्ला गांव में रह रही थीं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले भी मगदल्ला गांव स्या में काम करने वाली थाईलैंड

की लड़कियों को रहने की सुविधा देने को लेकर विवादों में रहा है। इससे पहले, उमरा पुलिस स्टेशन द्वारा मगदल्ला गांव में रहने वाली विदेशी युवतियों का सर्वे किया गया था, जिसमें मकान मालिकों से पूछा गया था कि वे इन विदेशी लड़कियों को किराए पर मकान कैसे दे रहे हैं।



## “झूम कर नाचों भक्तों की फागण रोज-रोज नहीं आणों”

>> सूरतधाम बन गया खाटूधाम >> एकादशी पर लाखों लोगों ने किये दर्शन

क्रांति समय

www.krantisamay.com  
www.guj.krantisamay.com  
www.epaper.krantisamay.com  
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित फाल्गुन महोत्सव में सोमवार को एकादशी के दिन वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में लाखों लोगों ने बाबा के दर्शन किये। इस मौके पर सुबह चार बजे से ही मंदिर प्रांगण पर सूरत की अनेकों धार्मिक संस्थाओं, सोसायटियों एवं परिवारों की निशान यात्रा मंदिर पहुंची। लम्बी लम्बी कतारों में भी भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सभी भक्त नाचते-

गाते बाबा के दरबार में आ रहे थे। फाल्गुन की एकादशी के अवसर पर बाबा श्याम का श्रृंगार ड्राईफ्रूट्स, भारतीय रुपया एवं अलग-अलग राज्यों से मंगवाए गए फूलों से किया गया। इस मौके पर सम्पूर्ण मंदिर प्रांगण का विशेष श्रृंगार किया गया एवं अधभूत रोशनी की गई। इस मौके पर बाबा को सवामणी एवं छपन भोग का प्रसाद लगाया गया एवं भक्तों को वितरित किया गया। मंदिर परिसर में पूरे दिन "झूम कर नाचों भक्तों की फागण रोज-रोज नहीं आणों" सहित अनेकों भजनों एवं धमाल पर भक्तों ने नाच-गाकर बाबा को

रिझाया। भक्तों की लम्बी कतारें देर रात तक मंदिर पर लगी रही 7 इस अवसर पर मंदिर के पट सम्पूर्ण दिवस और सम्पूर्ण रात्रि भक्तों के लिए खुले रहें 7 इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम, सचिव राजेश दोदराजका, संरक्षक प्रकाश तोदी, पूर्व अध्यक्ष रामप्रकाश रंगटा सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें। फाल्गुन उत्सव में मंगलवार को सुबह आठ बजे से ट्रस्ट द्वारा जात-जडुला की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर बाबा को खीर चूरमे का भोग भी लगाया जाएगा।

